

कार्यसूची – 1

कृषि विज्ञान केन्द्र का संक्षिप्त विवरण

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित तथा सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र, मुरादाबाद की स्थापना 23 दिसम्बर 2004 को हुई थी। केन्द्र के लिए रूस्तमनगर कृषि फार्म का हस्तान्तरण मई 2005 में हुआ।

कृषि के क्षेत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र नया मार्गदर्शन करने वाली विज्ञान आधारित ऐसी संस्था है जो कृषको, ग्रामीण युवाओं, कृषक महिलाओं तथा प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के साथ-साथ कृषकों के लिए उनके प्रक्षेत्र पर नई तकनीक का, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एवं किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को ध्यान में रखकर प्रदर्शन करना है तथा उपलब्ध तकनीक को स्थानीय परिवेश के अन्तर्गत किसानों की क्षेत्रीय आवश्यकतानुसार अनुसंधान आधारित तकनीक में यदि सम्भव हो बदलाव करके उन्हें व्यावहारिक रूप प्रदान करना है, इसके अतिरिक्त केन्द्र स्थानीय कृषकों द्वारा समय-समय पर उठाई गयी तकनीकी समस्याओं का फीड-बैक विश्वविद्यालय मुख्यालय को देकर वहा चल रहे अनुसंधान कार्यों को भी सही दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र के उद्देश्य

- स्थान विशेष की समगतिशील भूमि उपयोग प्रणाली के रूप में उत्पादन प्रौद्योगिकी का अभिनिर्धारण करने हेतु कृषकों के प्रक्षेत्र पर प्रक्षेत्र परीक्षण आयोजित करना ।
- उत्पादन आंकड़ों तथा प्रति इकाई सूचनाओं को प्राप्त करने हेतु विभिन्न फसलों पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन ।
- फार्म पर उच्चतर उत्पादन एवं रोजगार उत्पन्न करने हेतु करके सीखने की पद्धति पर बल देते हुए किसानों तथा ग्रामीण युवकों के लिये कृषि तथा इससे सम्बद्ध व्यवसायों/पेशों में लघु एवं लम्बी अवधि के व्यवसायिक प्रशिक्षण आयोजित करना ।
- प्रसार कार्यकर्ताओं को कृषि अनुसंधान में हो रही प्रगति से नियमित रूप से अवगत कराने हेतु प्रशिक्षण आयोजित करना ।
- जनपद में कृषि अर्थव्यवस्था के सुधार हेतु कृषि तकनीकी संसाधन एवं ज्ञान के केन्द्र के रूप में कार्य करना ।

कृषि भूमि क्षेत्रफल

- कुल भूमि क्षेत्रफल – 17.5 हे०
- भवन प्रदर्शन इकाई, थ्रेसिंग फ्लोर एवं स्टोर – 3.5 हे०
बाउन्ड्रीवाल, नाली, रोड आदि
- फसल आच्छादन – 14.0 हे०

केन्द्र पर भवन सम्बन्धी विवरण

क्र.सं.	बिल्डिंग का नाम	निर्माण की स्थिति
1.	प्रशासनिक भवन	पूर्ण
2.	किसान छात्रावास	पूर्ण
3.	स्टॉफ क्वार्टर (6)	पूर्ण
4.	प्रदर्शन इकाई	पूर्ण
5.	बाउन्ड्री वाल	पूर्ण
6.	थ्रेसिंग फ्लोर	पूर्ण
7.	स्टोर	पूर्ण
8.	सिंचाई नाली	पूर्ण

वाहन –

1. बोलेरो गाड़ी – 1 (निष्प्रयोज्य)
2. मोटर साइकिल – 1
3. ट्रैक्टर – 1

केन्द्र पर वर्तमान में कार्यरत स्टाफ

क्र. स.	स्वीकृत पद	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पद	विषय	केन्द्र पर योगदान की तिथि
1	वरि० वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष	डॉ० राम करण सिंह	प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	कृषि प्रसार	19.11.2016
2	विषय वस्तु विशेषज्ञ	डा० सुखदेव सिंह	प्राध्यापक	कृषि वानिकी	16.04.2018
3	विषय वस्तु विशेषज्ञ	डा० हसन तनवीर	विषय वस्तु विशेषज्ञ/ सहा० प्रा०	पादप प्रजनन	23.06.2008
4	विषय वस्तु विशेषज्ञ	डा० मोहन सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ/ सहा० प्रा०	मृदा विज्ञान	08.07.2014
5	विषय वस्तु विशेषज्ञ	—	विषय वस्तु विशेषज्ञ/ सहा० प्रा०	पादप सुरक्षा	—
6	विषय वस्तु विशेषज्ञ	—	विषय वस्तु विशेषज्ञ/ सहा० प्रा०	सस्य विज्ञान	—
7	विषय वस्तु विशेषज्ञ	—	विषय वस्तु विशेषज्ञ/ सहा० प्रा०	पशु पालन/ गृह विज्ञान	—
8	कार्यक्रम सहायक	—	कार्यक्रम सहायक	—	—
9	फार्म मैनेजर	डॉ० हम्वीर सिंह	फार्म मैनेजर	पादप प्रजनन	18.08.2007
10	कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)	श्री नगेन्द्र प्रताप सिंह	कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)	PGDCA	01.09.2007
11	सहायक	श्री संजय कुमार शर्मा	कार्यालय अधीक्षक/ लेखाकार	एकाउन्ट्स	07.06.2013
12	जूनियर स्टेनो कम कम्प्यूटर आपरेटर	श्री अजय तोमर	जूनियर स्टेनो कम कम्प्यूटर आपरेटर	—	30.07.2007
13	ड्राइवर कम मैकेनिक	श्री वीरेन्द्र कुमार मिश्रा	ड्राइवर	—	21.04.2017
14	ड्राइवर कम मैकेनिक	—	ड्राइवर	—	—
15	चतुर्थ श्रेणी	श्री सर्वेश कुमार	अटेन्डेन्ट	—	15.07.2011
16	चतुर्थ श्रेणी	—	—	—	—

— छः पद रिक्त

मुख्य फसलों का क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता(2018-19)

क्र.स.	फसल	क्षेत्रफल (हे०)	उत्पादन (मी०टन)	उत्पादकता (कु०/हे०)
1	गेहूँ	115217	460983	40.01
2	मसूर	481	385	8.0
3	सरसो	2194	2635	12.01
4	धान	89451	223985	25.04
5	बाजरा	2609	1946	7.46
6	उर्द	3262	2923	8.96
7	गन्ना	73996	5651814	76.38
8	फल			
i.	आम (बाग)	2875	466520	162.27
ii.	अमरूद (बाग)	1185	353830	298.59
iii.	केला	41	19620	478.54
iv.	पपीता	20	8000	400.00
9	सब्जियाँ			
i.	आलू	1465	290380	198.21
ii.	प्याज	45	6790	150.89
iii.	बैंगन	445	152510	342.72
iv.	शकरकंद	442	58250	131.79
v.	गाजर	125	31070	248.56
vi.	लौकी	172	49690	288.89
vii.	तोरई	207	49770	240.43

सूचना स्रोत - कृषि विभाग, मुरादाबाद से संकलित

मुख्य कार्य क्षेत्र –

क्र०.सं०.	फसल/उद्यम	प्रमुख क्षेत्र
1	धान/ गेहूँ	धान-गेहूँ पद्धति में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन।
2	धान/ गेहूँ	धान-गेहूँ पद्धति में एकीकृत खरपतवार प्रबन्धन।
3	दलहन	खरीफ व रबी में दलहनी फसलों के क्षेत्रफल में वृद्धि करना।
4	तिलहन	खरीफ व रबी में तिलहनी फसलों के क्षेत्रफल में वृद्धि करना।
5	धान्य/दलहनी/तिलहनी फसलें	फसलों में एकीकृतनाशी जीव प्रबन्धन।
6	धान्य/दलहनी/तिलहनी फसलें	नवीन प्रजातियों को कृषकों में प्रोत्साहित करना।
7	बीज उत्पादन	विभिन्न फसलों के बीज उत्पादन को प्रोत्साहित करना।
8	आम	आम में पुराने बागों का जीर्णोधार करना।
9	अमरुद	अमरुद के बागों का प्रबन्धन।
10	सब्जी	सब्जियों की जैविक खेती को प्रोत्साहित करना।
11	दुग्ध उत्पादन	आम में वृद्धि करने वाली फसल को बढ़ावा देना।
12	मधुमक्खी पालन	मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करना।
13	केंचुआ खाद	केंचुआ खाद बनाने को प्रोत्साहित करना।

कार्यसूची – 2

गतवर्ष बैठक की कार्यवाही की अनुपालन आख्या एवं पुष्टि

दिनांक 21 फरवरी, 2019 को केन्द्र पर आयोजित वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में आख्या निम्नवत है :-

क्र०सं०	निर्णय	अनुपालन आख्या
1.	डा० गोपाल सिंह संयुक्त निदेशक प्रसार स०व०प० कृषि एवं प्रौ०, वि०वि०, मेरठ द्वारा डा० हसन तनवीर वि०व०वि०/सहा०प्रा० (पादप प्रजनन) को कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र पर न्यूट्रीफाइड प्रजाति का गेहूँ की फसल में प्रदर्शन आयोजित किये जाने का सुझाव दिया गया।	सुझाव के अनुरूप वर्ष 2019-20 में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि०वि०, मेरठ एवं गोविन्द वल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौ० वि०वि०, पन्तनगर से न्यूट्रीफाइड प्रजाति का गेहूँ बीज उपलब्ध न होने के कारण न्यूट्रीफाइड प्रजाति का प्रदर्शन आयोजित नहीं कराया जा सका।
2.	डा० शंकर सिंह सलाहकार, अटारी कानपुर द्वारा सभी वैज्ञानिकों को अपने विषय से सम्बन्धित कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र पर क्रापकैफेटेरिया लगाये जाने तथा उसके आय -व्यय का लेखा जोखा रखने सुझाव दिया गया।	सुझाव के अनुरूप खरीफ 2019 में धान फसल पर प्रजातीय (6 प्रजातिया) क्रापकैफेटेरिया लगाया गया। रबी 2019-20 गेहूँ फसल पर प्रजातीय (5 प्रजातिया) क्रापकैफेटेरिया लगाया गया है, गेहूँ में जलविलेय उर्वरको का प्रयोग व मृदा परीक्षण के आधार पर (18:18:18) उर्वरक प्रयोग पर क्रापकैफेटेरिया लगाया गया। ऋतुनुसार कृषकों को हरी सब्जियाँ उपलब्ध होना व कार्बनिक सब्जियों (गाजार, मूली, धनियाँ, मँथी एवं पालक) की उपलब्धता बनी रहे का क्रापकैफेटेरिया लगाया गया।
3.	डा० शंकर सिंह सलाहकार, अटारी कानपुर द्वारा सभी वैज्ञानिकों को किसान की आय दुगना करने हेतु विशेष ध्यान रखने का सुझाव दिया गया।	सुझाव के अनुरूप वर्ष 2019-20 में केन्द्र द्वारा किसानों की आय दुगनी करने हेतु अंगीकृत ग्रामों - सिहारी लददा में दो प्रशिक्षण, 30 कृषक लाभांवित एवं खानपुर में एक प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें 10 कृषक लाभांवित हुये तथा वर्ष 2018-19 में सिहारी लददा ग्राम में शरदकालीन गन्ना के साथ सरसों सहफसली खेती पर 05 प्रदर्शन 2.0 क्षेत्रफल में आयोजित किये गये। 01 प्रदर्शन 0.3 हे० में पोपलर के साथ गेहूँ सहफसली पर ग्राम खानपुर में आयोजित किया गया।

4.	डा0 डी0के0 सिंह प्राध्यापक (पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्धन) स0व0प0 कृषि एवं प्रौ0, वि0वि0, मेरठ द्वारा सभी वैज्ञानिकों को पशुपालन विभाग के सहयोग से पशु मेला/बांझ दिवस का आयोजन किये जाने का सुझाव दिया गया।	सुझाव के अनुरूप केन्द्र द्वारा दिनांक 11.09.2019 को राष्ट्रीय पशु बीमारी नियंत्रण, खुर पका, मुँह पका, ब्रुसेलोसिस एवं कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के अन्तर्गत 125 भेड़ों का टीकाकरण किया गया।
5.	डा0 सत्य प्रकाश प्राध्यापक (उद्यान विज्ञान) स0व0प0 कृषि एवं प्रौ0, वि0वि0, मेरठ द्वारा सभी वैज्ञानिकों को Presentation में टेबिल के नीचे दिनांक व फोटो लगाये जाने का सुझाव दिया गया।	सुझाव के अनुरूप अप्रैल 2019 से दिसम्बर 2019 तक की प्रगति रिपोर्ट के Presentation में टेबिल के नीचे दिनांक व फोटो लगाये गये हैं।
6.	डा0 सत्य प्रकाश प्राध्यापक (उद्यान विज्ञान) स0व0प0 कृषि एवं प्रौ0, वि0वि0, मेरठ द्वारा समस्त वैज्ञानिकों निर्धारित कार्यक्रमों के बैनरों पर दिनांक व गोंव लिखें जाने का सुझाव दिया गया।	सुझाव के अनुरूप वर्ष 2019-20 में निर्धारित कार्यक्रमों के बैनरों पर दिनांक व गोंव लिखें गये हैं।
7.	डा0 सत्य प्रकाश प्राध्यापक (उद्यान विज्ञान) स0व0प0 कृषि एवं प्रौ0, वि0वि0, मेरठ द्वारा डा0 सुखदेव सिंह, प्राध्यापक, कृषि वानिकी को उद्यान विज्ञान के अन्तर्गत पौध नियमतीकरण एवं कॉट- छांट पर प्रशिक्षण करने का सुझाव दिया गया।	सुझाव के अनुरूप वर्ष 2019-20 में पौध नियमतीकरण एवं कॉट- छांट पर 04 प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें 80 कृषक लाभांवित हुये तथा आगामी कार्ययोजना वर्ष 2020-2021 में भी 06 प्रशिक्षण आयोजित किये जायेगे।
8.	डा0 सत्य प्रकाश प्राध्यापक (उद्यान विज्ञान) स0व0प0 कृषि एवं प्रौ0, वि0वि0, मेरठ द्वारा डा0 माहन सिंह वि0व0वि0/सहा0प्रा0(मृदा विज्ञान) को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण का लक्ष्य पूरा करें जाने का सुझाव दिया गया।	सुझाव के अनुरूप अप्रैल 2019 से दिसम्बर 2019 तक 137 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिये गये एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण का लक्ष्य मार्च 2020 तक पूरा कर लिया जायेगा।
9.	श्री मुकुल पांडे सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति द्वारा डा0 हसन तनवीर वि0व0वि0/सहा0प्रा0, (पादप प्रजनन) को धान फसल पर प्रशिक्षण मई व जून में भी आयोजित किये जाने का सुझाव दिया गया।	सुझाव के अनुरूप मई एवं जून 2019 में निम्न प्रशिक्षण आयोजित किये गये – केन्द्र पर एवं केन्द्र के बाहर प्रशिक्षण 02 प्रशिक्षण एवं 40 कृषक लाभांवित रोजगारपरक प्रशिक्षण 01 प्रशिक्षण एवं 10 कृषक लाभांवित प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण 01 प्रशिक्षण एवं 10 कृषक लाभांवित

कार्यसूची- 3

(अप्रैल 2019 से दिसम्बर 2019 तक की प्रगति)

लक्ष्य एवं उपलब्धियों का प्रगति विवरण

प्रक्षेत्र परीक्षण				प्रथम पंक्ति प्रदर्शन			
1				2			
प्रक्षेत्र परीक्षण की संख्या		कृषकों की संख्या		प्रथम पंक्ति प्रदर्शन		प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०)	
लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ
07	05	28	23	109	80	36.4	24.0

एन०एफ०एस०एम० योजनान्तर्गत समूह दलहन/तिलहन प्रदर्शन प्रगति विवरण

समूह दलहन प्रदर्शन			
1			
प्रथम पंक्ति प्रदर्शन		प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०)	
लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ
100	100	40.0	40.0

	प्रशिक्षण (प्रायोजित प्रशिक्षण, आदि)				प्रसार गतिविधियां			
	3				4			
	प्रशिक्षण संख्या		लाभार्थी		गतिविधियाँ		लाभार्थी	
प्रशिक्षण का प्रकार	लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ
कृषक एवं कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं बाह्य परिसर पर)	60	44	1200	880	437	482	4645	12466
रोजगार परक	10	06	100	60				
प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु	17	14	170	140				
प्रायोजित कार्यक्रम								
कुल योग	87	64	1470	1080		482		12466

बीज उत्पादन		पौध	
5		6	
लक्ष्य (कु०)	उपलब्धि(कु०)	लक्ष्य	उपलब्धियां
400	556.28	20000	—

मृदा परीक्षण		
7		
मृदा नमूने	ग्रामों की सं०	विकास खण्डों की सं०
137	20	02

3.1 प्रक्षेत्र परीक्षण (ऑन फार्म ट्रायल)

1. मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ फसल में मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों का मूल्यांकन
2. त्रतु एवं वर्ष	रबी 2018-19
3. समस्या	उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग से गेहूँ की कम उत्पादकता
4. विषय क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
5. तकनीकी का नाम	गेहूँ फसल पर समन्वित पोषक तत्वों का मूल्यांकन
6. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि० वि०, मेरठ
7. कृषक पद्धति - T ₁	120:40:0:0 नाइट्रोजन, फास्फोरस,पोटाश, जिंक सल्फेट किग्रा०/हे०
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति - T ₂	मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों का प्रयोग (एन.पी.के. 155:70:50:25) जिंक सल्फेट 25 किग्रा०/हे०
9. प्रजाति का नाम	एच०डी० - 2967
10. प्रदर्शन सं० (ट्रायल)	05
11. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.40 प्रति प्रदर्शन (2.0 हे०)
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	05-09 दिसम्बर 2018 एवं 18-24 अप्रैल, 2019

प्रदर्शन परिणाम

उपचार	पैदावार कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रतिबाली में दानों की सं०	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
T ₁ —कृषक पद्धति	41.40	—	42.6	—	33145	76176	43031	1:1.29
T ₂ —वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति	49.50	19.56	49.5	16.19	34118	91080	56962	1:2.66

तकनीकी का फीडबैक

T₂ में मृदा परीक्षण के आधार पर फास्फोरस तथा म्यूरेंट ऑफ पोटाश उर्वरकों का प्रयोग किया तथा T₁ के सापेक्ष T₂ की उपज में 19.56% की वृद्धि रही ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

कृषक स्तर पर मिट्टी की जाँच नहीं करायी जाती तथा अधिकांश कृषक असंतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करते हैं । मृदा परीक्षण के आधार पर यदि उर्वरकों का प्रयोग किया जाये तो उत्पादन में वृद्धि होती है तथा खर्च कम आता है ।

1. (क) मृदा विज्ञान (धान फसल)

1. शीर्षक	धान की फसल में मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों की विभिन्न मात्राओं का मूल्यांकन
2. त्रु एवं वर्ष	खरीफ – 2019
3. समस्या	धान फसल में उर्वरकों के असन्तुलित प्रयोग से कम उत्पादकता
4. विषय क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
5. तकनीकी का नाम	मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबन्धन
6. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि० वि०, मेरठ
7. कृषक पद्धति – T ₁	120:40:0:0 एन.पी.के. तथा जिंक सल्फेट किग्रा० प्रति हे०
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T ₂	मृदा परीक्षण के आधारित उर्वरक प्रबन्धन 138:60:43:25, एन.पी.के. तथा जिंक सल्फेट किग्रा० प्रति हे०
9. प्रजाति का नाम	पूसा सुगन्ध – 1509
10. प्रदर्शन सं० (ट्रायल)	05
11. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.30 प्रति प्रदर्शन (1.5 हे०)
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	05–10 जुलाई 2019 तथा 26–30 अक्टूबर 2019

प्रदर्शन परिणाम

उपचार	पैदावार कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रतिबाली में दानों की सं०	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
T ₁ –कृषक पद्धति	42.40	–	57.60	–	54430	113632	59202	1:2.08
T ₂ –वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति	48.10	15.88	73.50	27.60	55880	130115	74235	1:2.32

तकनीकी का फीडबैक

T₂ में मृदा परीक्षण के आधार पर डी.ए.पी. तथा म्युरेट ऑफ पोटाश उर्वरकों का प्रयोग किया तथा T₁ के सापेक्ष T₂ की उपज में 15.88% की वृद्धि रही ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

कृषक स्तर पर मिट्टी की जाँच नहीं करायी जाती तथा अधिकांश कृषक असंतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करते हैं । मृदा परीक्षण के आधार पर यदि उर्वरकों का प्रयोग किया जाये तो उत्पादन में वृद्धि होती है तथा खर्च कम आता है ।

1. (ख) मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	मृदा परीक्षण के आधार पर गेहूँ फसल में पोषक तत्वों का मूल्यांकन
2. त्रु एवं वर्ष	रबी 2019-20
3. समस्या	उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग से गेहूँ की कम उत्पादकता
4. विषय क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
5. तकनीकी का नाम	गेहूँ फसल पर पोषक तत्वों का मूल्यांकन
6. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि० वि०, मेरठ
7. कृषक पद्धति - T ₁	125:45:38:0:0 नाइट्रोजन, फास्फोरस,पोटाश, जिंक सल्फेट किग्रा./हे०
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति - T ₂	मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों का प्रयोग (एन.पी.के. 155:63:49:25) जिंक सल्फेट 25किग्रा०/हे०
9. प्रजाति का नाम	एच०डी० - 2967
10. प्रदर्शन सं० (ट्रायल)	05
11. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.40 प्रति प्रदर्शन (2.0 हे०)
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	27-30 नवम्बर, 2019

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

2. पादप प्रजनन (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति का मूल्यांकन
2. त्रु एवं वर्ष	रबी 2018-19
3. समस्या	कृषकों द्वारा पुराना प्रजाति का प्रयोग के कारण कम उपज
4. सम्बन्धित क्षेत्र	प्रजातीय मूल्यांकन
5. तकनीकी का नाम	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजातियाँ
6. तकनीकी का स्रोत	भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत प्रजाति
7. कृषक पद्धति – T ₁	पी0बी0डब्लू0 – 373
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T ₂	डी0बी0डब्लू0 – 71
9. प्रजाति का नाम	डी0बी0डब्लू0 – 71
10. ट्रायल की सं०	05
11. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.2 हे० प्रति ट्रायल (1.0 हे०)
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	03-05 दिसम्बर 2018 एवं 24-28 अप्रैल, 2019

प्रदर्शन परिणाम

उपचार	पैदावार कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रभावी टिलर की सं० प्रति वर्ग मी०	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति T ₁	42.10	—	6.5	—	51100	77464	26364	1:1.51
वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति – T ₂	46.55	10.57	7.25	11.53	51800	85652	33852	1:1.65

तकनीकी का फीडबैक

T₁ (कृषक पद्धति – पी0बी0डब्लू0 – 373) की अपेक्षा T₂ (वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति – डी0बी0डब्लू – 71) अधिक उत्पादन देने वाली प्रजाति है ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

T₁ (कृषक पद्धति – पी0बी0डब्लू0 – 373) की अपेक्षा T₂ (वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति – डी0बी0डब्लू – 71) में प्रभावी टिलरो की संख्या एवं उपज अधिक पायी गयी है । डी0बी0डब्लू – 71 प्रजाति अधिक लाभकारी है ।

2. (क) पादप प्रजनन (धान फसल)

1. शीर्षक	धान – गेहूँ पद्धति में धान की उन्नत प्रजाति का मूल्यांकन
2. त्रु एवं वर्ष	खरीफ 2019
3. समस्या	कृषकों द्वारा पुरानी प्रजाति का प्रयोग के कारण कम उपज
4. सम्बन्धित क्षेत्र	प्रजातीय मूल्यांकन
5. तकनीकी का नाम	धान – गेहूँ पद्धति में धान की उन्नत प्रजाति का प्रयोग ।
6. तकनीकी का स्रोत	गोविन्द वल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौ0 वि0वि0, पन्तनगर
7. कृषक पद्धति – T ₁	शर्बती
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T ₂	पी0डी0 – 26
9. प्रजाति का नाम	पी0डी0 – 26
10. ट्रायल की सं0	05
11. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.2 हे0 प्रति ट्रायल (1.0 हे0)
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	02–04 जून 2019 एवं 20–23 अक्टूबर, 2019

प्रदर्शन परिणाम

उपचार	पैदावार कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रभावी टिलर की सं० प्रति वर्ग मी०	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति T ₁	40.25	—	210	—	67121	86025	18904	1:1.28
वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति — T ₂	50.62	25.76	271	29.05	67986	93375	25390	1:1.37

तकनीकी का फीडबैक

T₁ (कृषक पद्धति — शर्बती) की अपेक्षा T₂ (वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति — पी०डी० — 26) अधिक उत्पादन देने वाली प्रजाति है ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

T₁ (कृषक पद्धति — शर्बती) की अपेक्षा T₂ (वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति — पी०डी० — 26) में प्रभावी टिलरो की संख्या एवं उपज अधिक पायी गयी है । पी०डी० 26 प्रजाति अधिक लाभकारी है ।

2. (ख) पादप प्रजनन (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति का मूल्यांकन
2. त्रु एवं वर्ष	रबी 2019-20
3. समस्या	कृषकों द्वारा पुराना प्रजाति का प्रयोग के कारण कम उपज
4. सम्बन्धित क्षेत्र	प्रजातीय मूल्यांकन
5. तकनीकी का नाम	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजातियाँ
6. तकनीकी का स्रोत	भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत प्रजाति
7. कृषक पद्धति - T ₁	पी0बी0डब्लू0 - 373
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति - T ₂	डी0बी0डब्लू - 90
9. प्रजाति का नाम	डी0बी0डब्लू - 90
10. ट्रायल की सं०	05
11. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.2 हे० प्रति ट्रायल (1.0 हे०)
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	04-08 दिसम्बर 2019

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

3. कृषि वानिकी (पोपलर)

1. शीर्षक	पोपलर + गेहूँ सहफसल का मूल्यांकन
2. त्रतु एवं वर्ष	रबी 2019-20
3. समस्या	कृषकों द्वारा पोपलर से कम आमदनी लेना
4. सम्बन्धित क्षेत्र	सहफसली खेती
5. तकनीकी का नाम	पोपलर के साथ सहफसल (गेहूँ) का मूल्यांकन
6. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि०वि०, मेरठ
7. कृषक पद्धति - T ₁	पोपलर (एकल फसल)
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति - T ₂	पोपलर + गेहूँ
9. प्रजाति का नाम	डी०बी०डब्लू - 90
10. ट्रायल की सं०	03
11. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.2 हे० प्रति ट्रायल (0.6 हे०)
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	22, 23, 29 नवम्बर 2019

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

3.2 प्रदर्शन प्रगति

(अ) एन0एफ0एस0एम0 योजनान्तर्गत कृषकों के प्रक्षेत्र पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों के अन्तर्गत प्रदर्शनों का विवरण

1. मृदा विज्ञान (सरसों)

1. विषय	सरसों में एकीकृत फसल प्रबन्धन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	सरसों (आर0एच0 – 749)
3. त्रतु एवं वर्ष	रबी 2018–19
4. समस्या	उन्नत प्रजातियों, विरलीकरण एवं कीट बीमारियों का समय से प्रबन्धन न करने के कारण उपज में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	एकीकृत फसल प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	उन्नत प्रजातियों का चयन, विरलीकरण एवं कीट बीमारियों का समय से प्रबन्धन नहीं करना
7. तकनीकी का नाम	एकीकृत फसल प्रबन्धन के द्वारा सरसों की उपज बढ़ाना
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	आई0आई0पी0आर0, कानपुर
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	बीज (आर0एच0 – 749)
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	20.0
11. प्रदर्शन सं0	50
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	31 अक्टूबर से 08 नवम्बर 2018 एवं 18–20 मार्च, 2019

प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु0/हे0	उपज में परिवर्तन (%)	मानक	मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%)	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध लाभ (रू0/हे0)	लाभ व अनुपात
			शाखाओं की सं0 प्रति पौधा					
कृषक पद्धति	18.45	—	19	—	20515	61807	41292	1:3.01
वैज्ञानिक पद्धति	22.0	19.24	26	36.84	21915	73700	51785	1:3.36

निष्पादन एवं संस्तुति	<ol style="list-style-type: none"> 1. आर0एच0 – 749 बड़े दाने की अधिक पैदावार देने वाली प्रजाति है । 2. इस प्रजाति में तेल प्रतिशत (39% तक) भी अधिक है । 3. समय से विरलीकरण करने पर उपज में 19.24 प्रतिशत वृद्धि हुई । 4. आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा एवं सफेद गेरुई के प्रति सहनशील है ।
तकनीकी विशेष के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया	<ol style="list-style-type: none"> 1. कृषक सहमत है कि आर0एच0 – 749 अधिक पैदावार देने वाली उन्नत प्रजाति है । 2. कृषक सहमत है कि इस प्रजाति में बीमारिया का प्रकोप, अन्य प्रजातियों की अपेक्षा बहुत कम है । 3. समय से विरलीकरण एवं उन्नत प्रजातियों के चयन के कारण उपज में 19.24 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

1.(क) मृदा विज्ञान (मसूर)

1. विषय	मसूर में एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	मसूर (पी0एल0 – 8)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2018–19
4. समस्या	उन्नत प्रजातियों का अभाव, कीट एवं बीमारियों का समय से प्रबंधन न होने के कारण मसूर की उपज में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	एकीकृत फसल प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजातियों की बुवाई तथा कीट एवं बीमारियों का समय से प्रबंधन नहीं करना ।
7. तकनीकी का नाम	एकीकृत फसल प्रबन्धन के द्वारा मसूर की उपज बढ़ाना
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	आई0आई0पी0आर0, कानपुर
9. प्रदर्शित तकनीक (कृषि निवेश)	बीज – 16 किलोग्राम प्रति प्रदर्शन
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	20.0
11. प्रदर्शन सं0	50
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	04–12 नवम्बर 2018 एवं 05–10 अप्रैल 2019

प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	उपज में परिवर्तन (%)	मानक	मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%)	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध लाभ (रु०/हे०)	लाभ व अनुपात
			फलियों की सं० प्रति पौधा					
कृषक पद्धति	9.85	—	16	—	14850	53190	38340	1:3.58
वैज्ञानिक पद्धति	11.50	16.75	22	37.50	16800	62100	45300	1:3.70

निष्पादन एवं संस्तुति	<ol style="list-style-type: none"> 1. पन्त मसूर – 8 अधिक पैदावार देने वाली उन्नत प्रजाति है । 2. उकटा बीमारी का बहुत कम प्रकोप । 3. मध्यम दाना एवं रतुआ अवरोधी प्रजाति है ।
तकनीकी विशेष के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया	<ol style="list-style-type: none"> 1. कृषक सहमत है कि पन्त मसूर – 8 अधिक पैदावार देने वाली उन्नत प्रजाति है । 2. कृषक सहमत है कि अन्य प्रजातियों रतुआ रोग का प्रकोप होता है लेकिन पी०एल० – 8 रतुआ अवरोधक है । 3. उन्नत प्रजाति की बुवाई करने से उपज 16.75 प्रतिशत वृद्धि हुई ।

1. (ख) मृदा विज्ञान (उर्द)

1. विषय	उर्द में एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	उर्द (पी0यू0 – 31)
3. त्रतु एवं वर्ष	खरीफ –2019
4. समस्या	कृषको द्वारा उन्नत प्रजातियों, खरपतवार नियंत्रण एवं कीट नियंत्रण समय से न करने के कारण उपज में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक
6. कृषक पद्धति	कृषको द्वारा उन्नत प्रजातियों, खरपतवार नियंत्रण एवं कीट नियंत्रण समय से न करने के कारण उर्द फसल की पैदावार में कमी।
7. तकनीकी का नाम	उर्द फसल में एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	आई0आई0पी0आर0, कानपुर
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	उर्द बीज – 15 किलो0/हे0 खरपतवार नियंत्रण – इमेजाथाइपर 10EC @ 250 मिली0(प्रति प्रदर्शन), कीट नियंत्रण – एमीडाक्लोरप्रिड 17.8 एस0एल0 – 250 मिली0 प्रति प्रदर्शन जलघुलनशील (18:18:18) उर्वरक – 5.0 किग्रा0 प्रति प्रदर्शन
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	20.0
11. प्रदर्शन सं0	50
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	27–31 जुलाई 2019 एवं 08 से 13 नवम्बर 2019

प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	उपज में परिवर्तन (%)	मानक		मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%)		उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध लाभ (रु०/हे०)	लाभ व अनुपात
			खरपतवारो की सं० मी० ²	पीला चित्तवर्ण रोग(येलो मौजेक) प्रभावित पौधे	खरपतवारो की संक्रमण	पीला चित्तवर्ण रोग(येलो मौजेक) का संक्रमण				
वैज्ञानिक पद्धति	7.44	26.96	11.5	10	30	45.45	18280	55800	37520	1:3.05

निष्पादन एवं संस्तुति	<ol style="list-style-type: none"> 1. फसल एक साथ पकती है । 2. उन्नत एवं प्रमाणित (पी०यू० – 31) के कारण उपज में वृद्धि हुई है । 3. समय से एमीडाक्लोरपिड 17.8% का छिडकाव करने से बहुत कम पीला चित्तवर्ण रोग का प्रकोप हुआ । 4. समय से एमीडाक्लोरपिड 17.8% का छिडकाव करने से फली वेधक कीट का प्रकोप नहीं हुआ । 5. इमेजाथाइपर 10 ई०सी० का समय से छिडकाव करने से फसल में खरपतवारों का प्रकोप बहुत कम हुआ ।
तकनीकी विशेष के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया	<ol style="list-style-type: none"> 1. कृषकों ने बताया कि पी०यू० – 31 की पैदावार अन्य लोकल प्रजातियों से उपज अधिक है । 2. पी०यू० – 31 में पीला चित्तवर्ण रोग का प्रकोप बहुत कम होता है तथा अल्प अवधि की प्रजाति है ।

1.(ग) मृदा विज्ञान (मसूर)

1. विषय	मसूर में एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	मसूर (पी0एल0 – 8)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2019–20
4. समस्या	उन्नत प्रजातियों का अभाव, कीट एवं बीमारियों का समय से प्रबंधन न होने के कारण मसूर की उपज में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	एकीकृत फसल प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजातियों की बुवाई तथा कीट एवं बीमारियों का समय से प्रबंधन नहीं करना ।
7. तकनीकी का नाम	एकीकृत फसल प्रबन्धन के द्वारा मसूर की उपज बढ़ाना
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	आई0आई0पी0आर0, कानपुर
9. प्रदर्शित तकनीक (कृषि निवेश)	बीज – 16 किलोग्राम प्रति प्रदर्शन (40 किग्रा0/हे0)
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	20.0
11. प्रदर्शन सं0	50
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	10–15 नवम्बर 2019

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

(ब) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (दलहन व तिलहन के अतिरिक्त)

1. फसलोत्पादन (गेहूँ)

1. विषय	गेहूँ फसल में खरपतवार नियंत्रण
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	गेहूँ (एच0डी0 – 2967)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2018–19
4. समस्या	गेहूँ फसल में समय से खरपतवार नियंत्रण न होने के कारण पैदावार में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	खरपतवार प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	खरपतवारनाशी का प्रयोग न करना
7. तकनीकी का नाम	सल्फो सल्फयूरान के द्वारा खरपतवार नियंत्रण
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	सल्फो सल्फयूरान 75% WP का बुवाई के 30 दिन की अवस्था पर पर्णीय छिडकाव
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	4.0
11. प्रदर्शन सं0	10
12. प्रयोग की तिथि एवं कटाई की तिथि	05– 08 नवम्बर 2018 एवं 19–24 अप्रैल, 2019

प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	उपज में परिवर्तन (%)	मानक गेहूँ में खरपतवारों की सं० मी० ²	मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%) गेहूँ में खरपतवारों का प्रतिशत	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध लाभ (रु०/हे०)	लाभ व अनुपात
कृषक पद्धति	40.50	—	225	—	34245	74520	40075	1:2.18
वैज्ञानिक पद्धति	43.65	7.78	20	31	36395	84272	47887	1:2.32

निष्पादन एवं संस्तुति	<ol style="list-style-type: none"> गेहूँ की खड़ी फसल पर 35 दिन की अवस्था पर सल्फोसल्पयूरान 75% डब्लू.पी. का पर्णीय छिडकाव करने से 31% तक खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण होता है । समय से खरपतवारों का नियंत्रण के कारण ब्यौत प्रतिशत में वृद्धि हुई, जिसके कारण उपज में 7.78 प्रतिशत की वृद्धि हुई । दाने की गुणवत्ता में सुधार होता है ।
तकनीकी विशेष के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया	<ol style="list-style-type: none"> कृषक सहमत है कि सल्फोसल्पयूरान 75% डब्लू.पी., 2-4 डी० सोडियम साल्ट 80% की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली है । विशेष कर जंगली पालक एवं गाजर घास के नियंत्रण में । समय से खरपतवारनाशी का पर्णीय छिडकाव किय जाये तो खरपतवारों की रोकथाम होती है तथा उपज में वृद्धि होती है ।

1.(क) फसलोत्पादन (गेहूँ)

1. विषय	गेहूँ फसल में खरपतवार नियंत्रण
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	गेहूँ (एच0डी0 – 2967)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2019–20
4. समस्या	गेहूँ फसल में समय से खरपतवार नियंत्रण न होने के कारण पैदावार में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	खरपतवार प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	खरपतवारनाशी का प्रयोग न करना
7. तकनीकी का नाम	सल्फो सल्फयूरान के द्वारा खरपतवार नियंत्रण
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	सल्फो सल्फयूरान 75% WP का बुवाई के 30 दिन की अवस्था पर पर्णिय छिडकाव
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	4.0
11. प्रदर्शन सं0	10
12. प्रयोग की तिथि एवं कटाई की तिथि	17– 18 दिसम्बर 2019

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

2. मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ में जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग
2. फसल व प्रजाति	गेहूँ (एच0डी0 – 2967)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2018–19
4. समस्या	गेहूँ में कम उत्पादन
5. सम्बन्धित क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग न करना ।
7. तकनीकी का नाम	जल विलेय उर्वरक का प्रयोग 18:18:18 एन.पी.के. @ 12.5 किग्रा0/हे0
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0वि0, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	जल विलेय उर्वरक का प्रयोग 18:18:18 एन.पी.के. @ 12.5 किग्रा0/हे0 (तीन पर्णीय छिडकाव)
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (6.0 हे0)
11. प्रदर्शनो की सं0	15
12. प्रयोग की तिथि एवं कटाई की तिथि	05–07 दिसम्बर 2018 एवं 18–22 अप्रैल, 2019

प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	मानक		मानक में बदलाव %		उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
			1000 दानों का वजन (ग्रा० में)	प्रति बाली दानो की सं०	1000 दानों का वजन (ग्रा० में)	प्रति बाली दानो की सं०				
वैज्ञानिक पद्धति	48.60	18.83	48.75	48.18	36.17	20.08	36860	88688	51828	1:2.41

प्रदर्शन व संस्तुति

गेहूँ में जल विलेय उर्वरक 18:18:18 एन.पी.के. के तीन पर्णाय छिडकाव किये गये । पहला छिडकाव 1 किग्रा० 18:18:18 100 लीटर पानी तथा दूसरा छिडकाव फूल आने से पूर्व 2 किग्रा० 18:18:18 200 लीटर पानी तथा तीसरा छिडकाव फूल आने के बाद 2 किग्रा० 200 लीटर पानी घोल बनाकर छिडकाव करना प्रभावी रहा । 18.83% की वृद्धि हुई ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के पर्णाय छिडकाव करने से 18.83% की वृद्धि हुई ।

2. (क) मृदा विज्ञान (धान फसल)

1. शीर्षक	धान फसल में जल विलेय उर्वरको का प्रयोग
2. फसल व प्रजाति	धान (पूसा 1509)
3. त्रतु एवं वर्ष	खरीफ 2019
4. समस्या	उर्वरकों का असन्तुलित मात्रा में प्रयोग करने से धान की फसल में कम उत्पादन
5. सम्बन्धित क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	कृषक स्तर पर जल विलेय उर्वरको का प्रयोग न करना ।
7. तकनीकी का नाम	जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के तीन पर्णीय छिडकाव ।
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि० वि०, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के तीन पर्णीय छिडकाव 12.5 किग्रा०/हे० की दर से किये गये।
10. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.4 हे० प्रति प्रदर्शन (6.0 हे०)
11. प्रदर्शनो की सं०	15
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	05-10 जुलाई 2019 एवं 25-30 अक्टूबर 2019

प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रति बाली दानो की सं०	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	43.10	—	58.40	—	54230	114215	59985	1:2.11
वैज्ञानिक पद्धति	48.25	11.94	73.55	25.94	55780	127862	72082	1:2.29

प्रदर्शन व संस्तुति

धान में जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के तीन छिडकाव पहला छिडकाव 1 किग्रा० उर्वरक 100 ली० पानी तथा दूसरा छिडकाव फूल आने से पूर्व 2 किग्रा० 200 ली० पानी तथा तीसरा छिडकाव फूल आने के बाद 2 किग्रा० उर्वरक 200 ली० पानी में घोल बनाकर छिडकाव करना प्रभावी रहा । जिससे कृषक पद्धति के सापेक्ष वैज्ञानिक पद्धति से 11.94% की वृद्धि हुई ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

जल विलेय उर्वरक 18:18:18 एन.पी.के. के पर्णीय छिडकाव करने से उत्पादन में 11.94% की वृद्धि हुई ।

2. (स्व) मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ में जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग
2. फसल व प्रजाति	गेहूँ (एच0डी0 – 2967)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2019–20
4. समस्या	गेहूँ में कम उत्पादन
5. सम्बन्धित क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग न करना ।
7. तकनीकी का नाम	जल विलेय उर्वरक का प्रयोग 18:18:18 एन.पी.के. @ 12.5 किग्रा0/हे0
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	जल विलेय उर्वरक का प्रयोग 18:18:18 एन.पी.के. @ 12.5 किग्रा0/हे0 (तीन पर्णय छिडकाव)
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (6.0 हे0)
11. प्रदर्शनो की सं0	15
12. प्रयोग की तिथि एवं कटाई की तिथि	26–28 नवम्बर 2019

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

3. पादप प्रजनन (गेहूँ)

1. विषय	गेहूँ की समय से बोई जाने वाली नई प्रजाति का प्रदर्शन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	गेहूँ (एच0डी0 2864)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2018-19
4. समस्या	समय से गेहूँ की पुरानी प्रजाति बोने से कम उत्पादन
5. वर्गीकृत क्षेत्र	प्रजातीय प्रदर्शन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजाति का प्रयोग (पी.बी.डब्लू - 550)
7. तकनीकी का नाम	गेहूँ की समय से बोई जाने वाली प्रजाति कम प्रदर्शन
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा रोड, नई दिल्ली द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	प्रजातीय प्रदर्शन, प्रजाति का नाम - एच0डी0 2864
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	2.0
11. प्रदर्शन सं०	10
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	11-19 नवम्बर 2018 एवं 18-20 अप्रैल, 2019

प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	प्रभावी टिलर की सं० प्रति वर्ग मी०	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	46.25	-	5.4	-	50300	85100	34800	1:1.69
वैज्ञानिक पद्धति	52.53	13.58	6.3	16.66	52400	96655	44288	1:1.84

प्रदर्शन व संस्तुति

उन्नत प्रजाति एवं गुणवत्तायुक्त प्रजाति का प्रयोग आवश्यक है । नयी प्रजाति होने के कारण उपज में वृद्धि ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

उन्नत प्रजाति एच0डी0 2864 का उत्पादन पी.बी.डब्लू - 550 प्रजाति के उत्पादन की अपेक्षा अधिक है ।

3.(क) पादप प्रजनन (गेहूँ)

1. विषय	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति का प्रदर्शन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	गेहूँ (डब्लू आर0 544)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2018-19
4. समस्या	देर से गेहूँ की पुरानी प्रजाति बोने से कम उत्पादन
5. वर्गीकृत क्षेत्र	प्रजातीय प्रदर्शन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजाति का प्रयोग (पी.बी.डब्लू - 373)
7. तकनीकी का नाम	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति कम प्रदर्शन
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा रोड, नई दिल्ली द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	प्रजातीय प्रदर्शन, प्रजाति का नाम - डब्लू आर0 544
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	2.0
11. प्रदर्शन सं0	10
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	30 नवम्बर, 2018 से 03 दिसम्बर 2018 एवं 25-30 अप्रैल, 2019

प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु0/हे0	पैदावार में % बदलाव	प्रभावी टिलर की सं0 प्रति वर्ग मी0	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध आय (रू0 में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	42.19	—	4.8	—	51100	77629	26529	1:1.52
वैज्ञानिक पद्धति	45.93	8.86	5.5	14.58	51800	84511	32711	1:1.63

प्रदर्शन व संस्तुति

उन्नत प्रजाति एवं गुणवत्तायुक्त प्रजाति का प्रयोग आवश्यक है । नयी प्रजाति होने के कारण उपज में वृद्धि ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

उन्नत प्रजाति डब्लू आर0 544 का उत्पादन पी.बी.डब्लू - 373 प्रजाति के उत्पादन की अपेक्षा अधिक है ।

3. (ख) पादप प्रजनन (धान फसल)

1. शीर्षक	धान की अधिक उपज देने वाली प्रजाति का प्रदर्शन
2. फसल व प्रजाति	धान (पी0डी0 – 22)
3. त्रु एवं वर्ष	खरीफ – 2019
4. समस्या	पुरानी प्रजाति का प्रयोग के कारण उपज कम होना
5. सम्बन्धित क्षेत्र	प्रजातीय प्रदर्शन
6. कृषक पद्धति	शर्बती
7. तकनीकी का नाम	पी0डी0 – 22 की उत्पादन क्षमता
8. तकनीकी का स्रोत	गोविन्द वल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौ0 वि0वि0, पन्तनगर
9. वैज्ञानिक पद्धति	पी0डी0 – 22
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.2 हे0 प्रति प्रदर्शन (2.0 हे0)
11. प्रदर्शनो की सं0	10
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	13–15 जून 2019 एवं 23–26 अक्टूबर 2019

प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु0/हे0	पैदावार में % बदलाव	प्रभावी टिलर की सं0 प्रति वर्ग मी0	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध आय (रू0 में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	39.50	—	215	—	67121	82950	15829	1:1.24
वैज्ञानिक पद्धति	51.56	16.39	255	18.60	67986	95081	27095	1:1.39

प्रदर्शन व संस्तुति

उन्नत प्रजाति एवं गुणवत्तायुक्त प्रजाति का प्रयोग आवश्यक है । नयी प्रजाति होने के कारण उपज में वृद्धि ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

उन्नत प्रजाति पी0डी0 – 22 का उत्पादन स्थानीय प्रजाति के उत्पादन की अपेक्षा अधिक है ।

3. (ग) पादप प्रजनन (धान फसल)

1. शीर्षक	धान – गेहूँ पद्धति में बासमती धान की अधिक उपज वाली प्रजाति का प्रदर्शन
2. फसल व प्रजाति	धान (पन्त सुगन्धा – 27)
3. ऋतु एवं वर्ष	खरीफ – 2019
4. समस्या	पुरानी प्रजाति का प्रयोग के कारण उपज कम होना
5. सम्बन्धित क्षेत्र	प्रजातीय प्रदर्शन
6. कृषक पद्धति	पूसा बासमती – 1121
7. तकनीकी का नाम	पन्त सुगन्धा – 27 की उत्पादन क्षमता
8. तकनीकी का स्रोत	गोविन्द वल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौ० वि०वि०, पन्तनगर
9. वैज्ञानिक पद्धति	पन्त सुगन्धा – 27
10. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.2 हे० प्रति प्रदर्शन (2.0 हे०)
11. प्रदर्शनो की सं०	10
12. रोपाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	27–29 जुलाई 2019 एवं 02–05 नवम्बर 2019

प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	प्रभावी टिलर की सं० प्रति वर्ग मी०	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	33.5	—	195	—	67621	95300	27679	1:1.41
वैज्ञानिक पद्धति	40.5	20.90	240	23.07	68383	114900	46517	1:1.68

प्रदर्शन व संस्तुति

उन्नत प्रजाति एवं गुणवत्तायुक्त प्रजाति का प्रयोग आवश्यक है । नयी प्रजाति होने के कारण उपज में वृद्धि ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

उन्नत प्रजाति पन्त सुगन्धा – 27 का उत्पादन स्थानीय प्रजाति के उत्पादन की अपेक्षा अधिक है ।

3. (घ) पादप प्रजनन (गेहूँ)

1. विषय	गेहूँ की समय से बोई जाने वाली नई प्रजाति का प्रदर्शन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	गेहूँ (पी.बीडब्लू – 725)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2019–20
4. समस्या	समय से गेहूँ की पुरानी प्रजाति बोने से कम उत्पादन
5. वर्गीकृत क्षेत्र	प्रजातीय प्रदर्शन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजाति का प्रयोग
7. तकनीकी का नाम	गेहूँ की समय से बोई जाने वाली प्रजाति कम प्रदर्शन
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा रोड, नई दिल्ली द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	प्रजातीय प्रदर्शन, प्रजाति का नाम – पी.बीडब्लू – 725
10. कुल क्षेत्रफल (हे०)	2.0
11. प्रदर्शन सं०	10
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	20–25 नवम्बर 2019

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

3.(ड) पादप प्रजनन (गेहूँ)

1. विषय	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति का प्रदर्शन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	गेहूँ (डी.बी.डब्लू – 71)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2019–20
4. समस्या	देर से गेहूँ की पुरानी प्रजाति बोने से कम उत्पादन
5. वर्गीकृत क्षेत्र	प्रजातीय प्रदर्शन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजाति का प्रयोग
7. तकनीकी का नाम	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति कम प्रदर्शन
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा रोड, नई दिल्ली द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	प्रजातीय प्रदर्शन, प्रजाति का नाम – डी.बी.डब्लू – 71
10. कुल क्षेत्रफल (हे०)	2.0
11. प्रदर्शन सं०	10
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	02 – 10 दिसम्बर 2019

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

5. कृषि वानिकी (पोपलर)

1. विषय	तेज वृद्धि वाले उत्तम प्रजाति का प्रदर्शन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	पोपलर (G – 48)
3. ऋतु एवं वर्ष	जायद – 2019
4. समस्या	पोपलर क्लोन का समय से प्रबन्धन न करना
5. वर्गीकृत क्षेत्र	प्रजातीय प्रदर्शन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजाति का प्रयोग
7. तकनीकी का नाम	तेज वृद्धि वाले उत्तम प्रजाति का प्रदर्शन
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि०वि०, मेरठ
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	प्रजातीय प्रदर्शन, प्रजाति का नाम – जी. – 48
10. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.4
11. प्रदर्शन सं०	04
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	20 फरवरी, 2019

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

(स) किसानों की आय दुगुनी करने हेतु वर्ष 2018-19 में अंगीकृत ग्राम - सिहारी लददा में लगाये गये प्रदर्शन की प्रगति

तकनीकी का नाम	आर्थिक लाभ हेतु शरदकालीन गन्ना के साथ सरसों सहफसली खेती
कृषक पद्धति	एकल फसल (गन्ना)
सहफसली	गन्ना + सरसों
प्रजाति का नाम	गन्ना (CO - 0238, सरसों - RH - 749)
क्षेत्रफल	2.0 हे०

एकल फसल - गन्ना (परिणाम प्रतीक्षारत)

1. सिंचाई की सं० . 03 2. उर्वरकों का प्रयोग - 180:90:50:15 एन.पी.के.एस./हे० 3. उपयोग किये गये मानव दिवसों की सं० . 90
4. गन्ना बीज - 70 कु०/हे०, कुल बीज 140 कु०/हे० 5. फसल सुरक्षा - (खरपतवारनाशी) / 3.30 किग्रा०/हे०

सरसों - आर.एच. - 749

उपज कु०/हे०

16.0

मानक

शाखाओं की सं० प्रति पौधा

28

उत्पादन लागत
(रु०/हे०)
13500

सकल आय
(रु०/हे०)
53600

शुद्ध लाभ
(रु०/हे०)
40100

लाभ व
अनुपात
3.97

मानक

क्र.सं०	मानक	फसल
1	फसल का नाम	सरसों
2	प्रजाति	आर.एच. – 749
3	बीज	2.5 किग्रा०/हे०
4	उपज (कु०/हे०)	16.0 कु०/हे०
5	कुल उत्पादन (कु० में)	32 कु०
6	बिक्री मूल्य (रु०/कु०)	3350/कु०
7	रोजगार (मानव दिवसों में)	90 मानव दिवस
8	सिंचाई की सं० .	03
9	खरपतवारनाशी का प्रयोग	पेन्डामिथाईलीन / 3.30 किग्रा०/हे० का छिडकाव

बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि

गन्ने की बुवाई – 01-05 अक्टूबर, 2018

सरसों की बुवाई – 31 अक्टूबर, 2018 से 08 नवम्बर, 2018

कटाई – 18-20 मार्च, 2019

3.3 प्रशिक्षण प्रगति

क्र. स.	विभाग का नाम	प्रशिक्षण संख्या	प्रशिक्षणार्थी						कुल योग
			अन्य			अनु/जनजाति			
			पुरुष	स्त्री	योग	पुरुष	स्त्री	योग	
कृषक एवं कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं वाह्य परिसर पर)									
1	फसलोत्पादन	01	20	—	20	—	—	—	20
1	उद्यान विज्ञान	05	99	—	99	01	—	01	100
2	मृदा विज्ञान	12	203	05	208	32	—	32	240
3	पादप सुरक्षा	03	57	—	57	03	—	03	60
4	पादप प्रजनन	13	206	—	206	54	—	54	260
5	कृषि – वानिकी	10	155	—	155	45	—	45	200
	योग	44	740	05	745	135	—	135	880
ग्रामीण युवक एवं युवतियों हेतु रोजगार परक प्रशिक्षण									
1	उद्यान विज्ञान	—	—	—	—	—	—	—	—
2	मृदा विज्ञान	02	20	—	20	—	—	—	20
3	पादप सुरक्षा	—	—	—	—	—	—	—	—
4	पादप प्रजनन	04	30	—	30	10	—	10	40
5	कृषि – वानिकी	—	—	—	—	—	—	—	—
	योग	06	50	—	50	10	—	10	60
प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु									
1	उद्यान विज्ञान	—	—	—	—	—	—	—	—
2	मृदा विज्ञान	03	24	—	24	06	—	06	30
3	पादप सुरक्षा	01	06	—	06	04	—	04	10
4	पादप प्रजनन	07	52	—	52	18	—	18	70
5	कृषि – वानिकी	03	27	—	27	03	—	03	30
	योग	14	109	—	109	31	—	31	140

वर्ष 2019-20 में अप्रैल 2019 से दिसम्बर 2019 तक कृषक, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवकों/युवतियों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु कराये गये प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नवत है :-

3.4 प्रशिक्षणों का संक्षिप्त विवरण

(अ) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र पर)

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या	
				पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6

प्रथम तिमाही (अप्रैल 2019 से जून 2019 तक)

फसलोत्पादन	1. गन्ना पैड़ी प्रबन्धन एवं गन्ने के साथ उर्द की सहफसली खेती ।	26 अप्रैल 2019	1	20	—
उद्यान विज्ञान	1. अच्छे स्वास्थ्य के लिये सब्जी की जैविक खेती ।	26 अप्रैल 2019	1	20	—
	2. नये आम के बाग हेतु पौध रोपण	22 जून 2019	1	20	—
मृदा विज्ञान	1. मृदा नमूने एकत्र करने की विधि ।	15 मई 2019	1	20	—
	2. धान फसल में जैव उर्वरकों का प्रयोग ।	14जून, 2019	1	20	—
फसल सुरक्षा	1. मैथा की फसल में एकीकृत कीट, बीमारी प्रबन्धन ।	20 अप्रैल, 2019	1	20	—
कृषि वानिकी	1. वातावरण के लिये उपयुक्त पौधे ।	14 मई 2019	1	20	—
	2. किसानों के लिये कृषि वानिकी पद्धतियाँ ।	21 मई 2019	1	20	—
पादप प्रजनन	1. धान की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	16 मई 2019	1	20	—
	2. उर्द की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी तकनीकी ।	11 जून 2019	1	20	—

द्वितीय तिमाही (जुलाई 2019 से सितम्बर 2019 तक)

उद्यान विज्ञान	1. आर्थिक लाभ हेतु टमाटर फसल उत्पादन ।	03 अगस्त 2019	1	20	—
मृदा विज्ञान	1. धान में जल विलेय उर्वरकों का महत्व ।	18 जुलाई 2019	1	20	—
	2. धान में जिंक व यूरिया के पर्णीय छिडकाव का प्रयोग ।	17 सितम्बर, 2019	1	20	—
पादप प्रजनन	1. बासमती धान की नई प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	20 जुलाई 2019	1	20	—
	2. सरसों एवं तोरिया की नई प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	11 सितम्बर 2019	1	20	—

कृषि वानिकी	1. कृषि वानिकी पौधों की रोपण तकनीकी ।	21 अगस्त 2019	1	20	—
	2. कृषि वानिकी पौधों में रोग प्रबन्धन ।	25 सितम्बर 2019	1	20	—

तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2019 से दिसम्बर 2019 तक)

मृदा विज्ञान	1. मृदा स्वास्थ्य हेतु नेडप व वर्मी कम्पोस्ट का प्रयोग ।	22 अक्टूबर 2019	1	20	—
	2. रबी फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व ।	25 नवम्बर 2019	1	20	—
पादप प्रजनन	1. समय से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	4 नवम्बर 2019	1	20	—
	2. गेहूँ की देर से बोई जाने वाली उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	19 नवम्बर 2019	1	20	—
कृषि वानिकी	1. कृषि वानिकी पद्धति में सब्जी उत्पादन	22 अक्टूबर 2019	1	20	—
	2. कृषि वानिकी पद्धति में खाद्यान्न फसलों का उत्पादन ।	30 नवम्बर 2019	1	20	—

(ब) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र से बाहर)

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	
					पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7

प्रथम तिमाही (अप्रैल 2019 से जून 2019 तक)

उद्यान विज्ञान	1. वैज्ञानिक विधि से पपीता की पौध उगाना ।	10 मई 2019	1	पलिया सनाई	20	—
मृदा विज्ञान	1. मृदा परीक्षण का उद्देश्य ।	25 अप्रैल 2019	1	सिहाली लददा	20	—
	2. गन्ने में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के लक्षण ।	20 मई, 2019	1	फत्तेहपुर नथ्था	20	—
फसल सुरक्षा	1. रसायनों के प्रयोग एवं चयन में सावधानियां व इनका घोल बनाने की तकनीक ।	28 अप्रैल 2019	1	खानपुर	20	—
	2. गन्ना में एकीकृत कीट प्रबन्धन ।	23 मई, 2019	1	हाजीपुर	20	—
पादप प्रजनन	1. धान की नई प्रजातियों एवं उनकी उन्नत तकनीकी ।	22 मई 2019	1	थांवला	20	—
	2. उर्द की नई प्रजातियों एवं उत्पादन तकनीकी ।	13 जून 2019	1	फत्तेहपुर नथ्था	20	—

द्वितीय तिमाही (जुलाई 2019 से सितम्बर 2019 तक)

उद्यान विज्ञान	1. अमरूद के पुराने बाग में काट-छांट तकनीक ।	5 जुलाई 2019	1	बिलारी	20	—
मृदा विज्ञान	1. मृदा परीक्षण के आधार पर गन्ने में संतुलित उर्वरको का प्रयोग । ।	17 जुलाई 2019 24	1	बसेरा खास	20	—
	2. दलहनी फसलो में जिप्सम का प्रयोग ।	अगस्त 2019	1	खानपुर	20	—
पादप प्रजनन	1. मेंथा की सकर उत्पादन तकनीकी ।	23 जुलाई 2019	1	खाता	20	—
	2. सरसों एवं तोरियों की नई प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	28 अगस्त 2019	1	वर्धा गोवर्धनपुर	20	—
	3. गन्ने की नई प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	18 सितम्बर 2017	1	थांवला	20	—
कृषि वानिकी	1. . विभिन्न कृषि वानिकी पौधों का नर्सरी उत्पादन ।	27 अगस्त 2019	1	बिलारी	20	—
	2. कृषि वानिकी पौधों की कटाई – छटाई ।	16 सितम्बर 2019	1	थांवला	20	—

तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2019 से दिसम्बर 2019 तक)

मृदा विज्ञान	1. खरीफ में जलविलेय उर्वरकों का महत्व ।	21 अक्टूबर 2019	1	सिहाली लददा	20	—
	2. रबी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग से आय दुगनी ।	16 नवम्बर 2019	1	हरोरा	20	—
कृषि वानिकी	1. कृषि वानिकी पौधों का विभिन्न दशाओं में रोपण ।	24 अक्टूबर 2019	1	खानपुर	20	—
	2. कृषि वानिकी पौधों का बीज उत्पादन एवं एकत्रीकरण ।	11 दिसम्बर 2019	1	सिहाली लददा	20	—
पादप प्रजनन	1. गेहूँ की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	06 नवम्बर 2019	1	नरुखेडा	20	—
	2. देर से बोई जाने वाली गेहूँ की प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी	21 नवम्बर 2019	1	खानपुर	20	—

(स) ग्रामीण युवक एवं युवतियों को रोजगार परक प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं केन्द्र के बाहर)

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	
					पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7
प्रथम तिमाही (अप्रैल 2019 से जून 2019 तक)						
मृदा विज्ञान	1. वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन ।	18-23 जून 2019	6	सिहाली लददा	10	—
पादप प्रजनन	1. धान बीज उत्पादन तकनीकी ।	30-31 मई 2019 05-06 अगस्त 2019 एवं 19-20 सितम्बर 2019	6	केन्द्र पर	10	—
	2. उर्द बीज उत्पादन तकनीकी ।	20-21 जून 2019 17-18 जुलाई 2019 एवं 12-13 सितम्बर 2019	6	केन्द्र पर	10	—

द्वितीय तिमाही (जुलाई 2019 से सितम्बर 2019 तक)						
पादप प्रजनन	1. सरसों बीज उत्पादन को बढ़ावा ।	23-24 सितम्बर 2019 27-28 नवम्बर 2019 19-20 दिसम्बर 2019	6	केन्द्र पर	10	—
तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2019 से दिसम्बर 2019 तक)						
मृदा विज्ञान	1. वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन ।	15 अक्टूबर एवं 17-21 अक्टूबर 2019	6	खानपुर	10	—
पादप प्रजनन	1. गेहूँ की बीज उत्पादन तकनीकी ।	30-31 अक्टूबर 2019	6	केन्द्र पर	10	—

(द) सेवाकालीन प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण (केन्द्र पर /केन्द्र से बाहर)

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	
					पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7
प्रथम तिमाही (अप्रैल 2019 से जून 2019 तक)						
मृदा विज्ञान	1. धान में जैविक उर्वरको का प्रयोग ।	15 जून 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
पादप सुरक्षा	1. खाद्यान भंडारण की वैज्ञानिक विधि ।	28 मई 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
पादप प्रजनन	1. धान बीज उत्पादन तकनीकी ।	26 जून 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	2. उर्द प्रजातियों की जानकारी ।	27 जून 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	
					पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7
द्वितीय (जुलाई 2019 से सितम्बर 2019 तक)						
मृदा विज्ञान	1. तिलहनी फसलो में सल्फर का प्रयोग ।	22 जुलाई 2019	1	केवीके	10	—
पादप प्रजनन	1. बासमती धान की प्रजातियों की जानकारी ।	25 जुलाई 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	2. गन्ने की प्रजातियों की जानकारी ।	30 अगस्त 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
कृषि वानिकी	1. कृषि वानिकी पौधों का नर्सरी प्रबन्धन ।	27 जुलाई 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	2. कृषि वानिकी पौधों की रोपण तकनीक	24 अगस्त 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	3. सैमल, सागौन का कृषि वानिकी पद्धति में रोपण तकनीक ।	22 सितम्बर 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	
					पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7
तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2019 से दिसम्बर 2019 तक)						
मृदा विज्ञान	1. गोहूँ में जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग ।	14 नवम्बर 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
पादप प्रजनन	1. गोहूँ की समय से बोई जाने वाली उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	17 अक्टूबर 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	2. गोहूँ की देर से बोई जाने वाली उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	29 नवम्बर 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	3. मसूर की प्रजातियों की जानकारी ।	30 नवम्बर 2019	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—

3.5 प्रसार कार्यक्रम तथा अन्य विभागों के साथ कार्यक्रम

प्रसार कार्यक्रम

क्र.स.	गतिविधियां	कार्यक्रमों की संख्या	लाभार्थी कृषक	प्रसार कार्यकर्ता	योग
1	प्रक्षेत्र दिवस	01	22	—	22
2	कृषक गोष्ठी	20	2015	125	2140
3	किसान मेला	03	915	28	943
4	डायग्नोस्टिक विजिट	06	58	—	58
5	कृषकों का परिसर पर भ्रमण (सलाहकार सेवाये)	200	1314	—	1314
6	वैज्ञानिकों का कृषकों के यहा भ्रमण	162	991	—	991
7	समाचार पत्रों में केन्द्र की प्रेस विज्ञप्ति	26	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
8	कृषि प्रदर्शनी	02	713	28	741
9	लेख (कृषि साहित्य)	—	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
10	रेडियो वार्ता	01	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
11	टी0वी0 कार्यक्रम	01	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
12	फिल्म शो	08	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
13	महत्वपूर्ण दिवस				
i	किसान सम्मान दिवस	01	45	—	45
ii	“स्वच्छता ही सेवा” जागरूकता अभियान	01	412	—	412
14	अन्य विभागों के कार्यक्रम में प्रतिभागिता	50	5800	—	5800
	योग	482	12285	181	12466

3.5 (क) अन्य प्रसार कार्यक्रम

क्र.स.	गतिविधियां	कार्यक्रमों की संख्या	लाभार्थी कृषक	प्रसार कार्यकर्ता	योग
1	लोक भवन, लखनऊ से माननीय मुख्यमंत्री, उ०प्र० शासन द्वारा किसान पाठशाला का सजीव प्रसारण ।	01	101	05	106
2	सजीव प्रसारण – वैज्ञानिकों की बात किसानों के साथ ।	01	86	—	86
3	राष्ट्रीय पशु बीमारी नियंत्रण, खुर पका, मुँह पका, ब्रुसेलोसिस एवं कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम	01	86	15	101
4	पशुओं का टीकाकरण	01	125 पशु	—	125 पशु
5	वृहद वृक्षारोपण अभियान एवं कृषक गोष्ठी कार्यक्रम	01	105	03	108
6	खाद का सही उपयोग जागरूकता कार्यक्रम	01	50	—	50
7	संविधान दिवस	01	16	—	16
	योग	07	569	23	592

3.6 बीज / पौध का उत्पादन तथा उसका किसानों को विक्रय

(क) धान्य फसलें (बीज उत्पादन)–

क्र.स.	फसल	प्रजाति	मात्रा (कु0)
1	गेहूँ (2018–19)	पी.बी.डब्लू – 725	394.84
2.	धान (खरीफ 2019)	पी0बी0 1509	91.76
		पी0बी0 1637	69.68
		योग	556.28

(ख) पौध उत्पादन एवं बिक्री

क्र.स.	फसल	केन्द्र पर रोपित/उत्पादित किये पौधों की संख्या	आय	लाभार्थी
1			–	–
	कुल योग	–		

3.7 चक्रीय निधि विवरण

01 अप्रैल 2019	–	रु0 14,28,023.44
31 दिसम्बर 2019	–	रु0 15,60,739.44

3.8 “फसल अवशेषों के यथास्थान प्रबन्धन”

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलारी, मुरादाबाद को फसल अवशेष प्रबन्धन परियोजना के अन्तर्गत कुल बजट रू0 9.11 लाख वर्ष 2019-20 के लिये स्वीकृत किया गया है। जिसके क्रम में निम्नवत कार्य किए गये है।

(क) फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु क्य किये गए कृषि यंत्र: –

क्र.सं.	कृषि यंत्र	मात्रा	बजट (लाख में)	टिप्पणी
1	रोटावेटर	01	0.95	वि0वि0 द्वारा क्य किया जाना है।
2	जीरो टिल कम फर्टिड्रिल	02	1.08	वि0वि0 द्वारा क्य किया जाना है।

ग्राम – अहरौला एवं हरौरा, ब्लॉक – बिलारी, जिला – मुरादाबाद में “फसल अवशेष प्रबन्धन” परियोजना के अन्तर्गत 03 कृषकों द्वारा कुल 5.8 हेक्टेयर रबी 2019 में गोहूँ की बुवाई कृषि यंत्रों चोपर एवं मल्चर द्वारा खेत की तैयारी कराकर करायी गयी।

(ख) कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलारी, मुरादाबाद द्वारा परियोजना के अन्तर्गत 5 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कराया गया। जिसमें कुल 25 कृषकों ने अंगीकृत ग्राम – थांवला एवं नरुखेडा, एवं अन्य ग्राम – फत्तेहपुर नथ्था, करसरा, अबुपुरा, सिहारी माला, भूडमरेशी, खाता, खानपुर, अमरपुरकाशी, नरसरा ब्लॉक – बिलारी, जिला – मुरादाबाद से भाग लिया। कुल 25 व्याख्यान में फसल अवशेष प्रबन्धन सम्बन्धी (फसल अवशेषों में आग न लगाने सम्बन्धी, अवशेषों को खेत में मिलाने से लाभ, आदि) विषयों पर भिन्न-भिन्न वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को उपाय बताये गये।

(ग) कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलारी, मुरादाबाद द्वारा परियोजना के अन्तर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण “Mobilization of college students” कार्यक्रम कराया गया जिसमें छात्रों को फसल अवशेष को न जलाने एवं उसके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। उक्त कार्यक्रम में 315 छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम राजकीय इन्टर कालेज, नगलिया जट, बिलारी, मुरादाबाद में सम्पन्न कराया गया।

(घ) कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलारी, मुरादाबाद द्वारा परियोजना के अन्तर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण “Mobilization of school students” कार्यक्रम कराया गया जिसमें छात्रों को फसल अवशेष को न जलाने एवं उसके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। उक्त कार्यक्रम में 282 छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम उच्च प्राथमिक विद्यालय, थांवला, बिलारी, मुरादाबाद में सम्पन्न कराया गया।

(ङ) कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलारी, मुरादाबाद द्वारा परियोजना के अन्तर्गत एक दिवसीय “किसान मेला एवं कृषि गोष्ठी” कार्यक्रम कराया गया जिसमें कृषकों को फसल अवशेष को न जलाने एवं उसके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। उक्त कार्यक्रम में 202 कृषकों ने भाग लिया। कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर, बिलारी, मुरादाबाद में सम्पन्न कराया गया।

(च) परियोजना के अन्तर्गत कुल 6 बैनर भी बनवाये गये

(छ) परियोजना के अन्तर्गत कुल खर्चा : -

क्र. सं.	विषय	दिनांक	स्थान	लाभार्थी की सं०	बजट रू० (लाख में)	खर्चा रू० (लाख में)	शेष धनराशि रू० (लाख में)
1	कृषि यंत्र	-	-	-	2.03	-	2.03
	एक दिवसीय कृषक जागरूकता कार्यक्रम (स्कूल विधार्थी जागरूकता कार्यक्रम)	23 सितम्बर 2019	जू०हाईस्कूल, थांवला	282	0.25	0.12515	0.12485
2	किसान मेला एवं कृषक गोष्ठी	4 नवम्बर 2019	के.वी.के. परिसर	202	0.99500	0.33399	0.66101
3	एक दिवसीय कृषक जागरूकता कार्यक्रम (कालेज विधार्थी जागरूकता कार्यक्रम)	23 नवम्बर 2019	जी.आई.सी., नगलिया जट	315	0.40000	0.12918	0.27082
4	5 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण	09 से 13 दिसम्बर, 2019	के.वी.के. परिसर	25	2.99500	0.51193	2.48307

3.9 “जल शक्ति अभियान” के अन्तर्गत कराये गये किसान मेला, कृषि प्रदर्शनी एवं किसान गोष्ठी

क्र. स.	गतिविधियां	दिनांक	स्थान	ब्लॉक का नाम	कार्यक्रमों की संख्या	लाभार्थी कृषकों की सं०
1	किसान मेला, कृषि प्रदर्शनी एवं किसान गोष्ठी	03 सितम्बर 2019	के.वी.के. परिसर	बिलारी	01	329
2	किसान मेला, कृषि प्रदर्शनी एवं किसान गोष्ठी	02 अक्टूबर 2019	फरीदपुर भैंडी	डिलारी	01	412
	योग					741

3.9 (क) “जल शक्ति अभियान” के अन्तर्गत के.वी.के., मुरादाबाद द्वारा अन्य विकास खण्डों एवं ग्रामों में आयोजित करायी गयी कृषक गोष्ठी

क्र. सं०	दिनांक	ग्राम का नाम	पंचायत का नाम	विकास खण्ड का नाम	कुल लाभार्थियों की सं०
1	01.08.2019	खानपुर	खानपुर	बिलारी	45
2	03.08.2019	सिहारी लददा	सिहारी लददा	बिलारी	42
3	06.08.2019	करसरा	करसरा	बिलारी	50
4	07.08.2019	फत्तेहपुर नथ्था	फत्तेहपुर नथ्था	बिलारी	50
5	08.08.2019	हरोरा	हरोरा	बिलारी	50
6	19.08.2019 उद्यान विभाग, मुरादाबाद के सहयोग से	रुस्तम नगर सहसपुर	रुस्तम नगर सहसपुर	बिलारी	50
7	21.08.2019	बहादुरपुर	बहादुरपुर	बिलारी	50
8	22.08.2019	वीरमपुर	वीरमपुर	बिलारी	50
9	26.08.2019	जसरथपुर	जसरथपुर	बिलारी	52
10	13.09.2019	रुस्तम नगर सहसपुर	रुस्तम नगर सहसपुर	बिलारी	40
11	23.09.2019	थांवला	थांवला	बिलारी	282

कार्यसूची – 4.0

वर्ष 2020–21 हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम

(अप्रैल 2020 से मार्च 2021)

प्रक्षेत्र परीक्षण		प्रथम पंक्ति प्रदर्शन	
1		2	
प्रक्षेत्र परीक्षण की संख्या	कृषकों की संख्या	प्रथम पंक्ति प्रदर्शन	प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०)
लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
07	28	119	38.4

एन०एफ०एस०एम० के योजनान्तर्गत समूह दलहन/तिलहन प्रदर्शन का विवरण

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन	
1	
प्रथम पंक्ति प्रदर्शन	प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०)
लक्ष्य	लक्ष्य
100	40.0

प्रशिक्षण		प्रसार गतिविधियां	
3		4	
प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी	गतिविधियाँ	लाभार्थी
लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
100	1650	443	4836

बीज उत्पादन	पौध
5	6
लक्ष्य (कु०)	लक्ष्य
400	20000

4.1 प्रक्षेत्र परीक्षण (ओ.एफ.टी.)

केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में निम्न प्रयोग प्रदर्शन प्रस्तावित हैं

क्र.सं	फसल	विषय क्षेत्र	विषय	प्रयोग एवं दर	कुल क्षेत्रफल (हे०)	कृषकों की संख्या	कृषि निवेश	कुल लागत (रु०)
1. फसलोत्पादन								
1	गन्ना (बसन्तकालीन - 2021)	एकीकृत फसल प्रबन्धन	बसन्तकालीन गन्ना + उर्द सहफसल का एकल गन्ना के साथ मूल्यांकन	T ₁ : कृषक पद्धति- एकल गन्ना T ₂ : गन्ना + उर्द	0.6	03	उर्द बीज- @ 15 किग्रा०/हे०.	5000
2. उद्यान विज्ञान								
1.	प्याज (रबी 2020-21)	प्रजातीय मूल्यांकन	प्याज की प्रजातियों का विश्लेषण	T ₁ : कृषक पद्धति- (एन० - 53) T ₂ : उन्नतशील प्रजातियाँ भीमारेड (लाल)/भीमा डार्क लाल	0.15	03	9 किग्रा०/हेक्टेयर	5,000
3. मृदा विज्ञान								
1	धान (खरीफ - 2020)	पोषक तत्व प्रबन्धन	मृदा परीक्षण के आधार पर धान फसल में पोषक तत्वों का मूल्यांकन	T ₁ -कृषक पद्धति (120:60:40:20) T ₂ - मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्व प्रबन्धन	2.0	05	फेरस सल्फेट - 20 किग्रा०/हे०	500
2	गेहूँ (रबी 2020-21)	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन	मृदा परीक्षण के आधार पर गेहूँ फसल में पोषक तत्वों का मूल्यांकन	T ₁ -कृषक पद्धति (150:75:40:0) T ₂ - मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरको का प्रयोग	2.0	05	जिंक सल्फेट 25% - 25 किग्रा०/हे०	1000
4. पादप प्रजनन								
1	धान खरीफ 2020	प्रजातीय मूल्यांकन	धान की उन्नत प्रजाति का मूल्यांकन	T ₁ -कृषक पद्धति स्थानीय प्रजाति / शरबती T ₂ - वैज्ञानिक पद्धति पी०डी० -26	1.0	05	धान का बीज 30 किग्रा०/हे०	1500
2	गेहूँ (रबी 2020-21)	प्रजातीय मूल्यांकन	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली उन्नत प्रजाति का मूल्यांकन	T ₁ - कृषक पद्धति (PBW 373) T ₂ - वैज्ञानिक पद्धति (DBW - 90)	1.0	05	गेहूँ का बीज 100 किग्रा०/हे०	1500

5. कृषि वानिकी

क्र.सं	फसल	विषय क्षेत्र	विषय	प्रयोग एवं दर	कुल क्षेत्रफल (हे०)	कृषकों की संख्या	कृषि निवेश	कुल लागत (रु०)
1	पोपलर जायद 2021	सहफसली खेती का परीक्षण	पोपलर + गेहूँ सहफसल का मूल्यांकन	T ₁ : कृषक पद्धति- पोपलर T ₂ : पोपलर + गेहूँ	0.6	03	गेहूँ का बीज 100 किग्रा०/हे०	5000

4.2 प्रदर्शनों के आयोजन हेतु प्रस्ताव

4.2.1 एन0एफ0एस0एम0 योजनान्तर्गत समूह दलहन/तिलहन प्रदर्शन – वर्ष 2020–21 के लिए प्रथम पंक्ति प्रदर्शन

क्र० सं०	फसल	विषय क्षेत्र	प्रदर्शित तकनीकी	कृषि निवेश	ऋतु व वर्ष	क्षेत्रफल (हे०)	प्रदर्शन संख्या	चिन्हित मापदण्ड
1	सरसों	एकीकृत फसल प्रबन्धन	उन्नत प्रजाति (आर.एच. –749) के साथ सल्फर, कीट एवं बीमारी प्रबन्धन	– उन्नत प्रजाति – जल विलेय उर्वरक (18:18:18) @ 5 किग्रा०/हे० – गंधक @ 25 किग्रा०/हे० – मोनोकोटोफास 36% एस.एल. @ 1.5ली०/हे० – मैकोजेब 75% डब्लू पी. @ 2.0 किग्रा०/हे० कुल व्यय – ₹० 60,000	रबी 2020–21	10.0	25	– उपज (कु०/हे०) – लाभ – आय व्यय अनुपात
2	उर्द	एकीकृत फसल प्रबन्धन,	उन्नत प्रजाति (मास – 479) के साथ पोषक तत्व, खरपतवार, कीट एवं बीमारी प्रबन्धन	– उन्नत प्रजाति का बीज (मास – 479) – इमेजाथाइपर @ 625 मिली०/हे० – जल विलेय उर्वरक (18:18:18) @ 5 किग्रा०/हे० – गंधक @ 25 किग्रा०/हे० – एमीडाक्लोरपिड @ 250 मिली०/हे० कुल व्यय – ₹० 1,80,000	खरीफ 2020	20.0	50	– उपज (कु०/हे०) – लाभ – आय व्यय अनुपात
2	मसूर	– एकीकृत फसल प्रबन्धन	– उन्नत प्रजाति पी०एल० – 8 के साथ पोषक तत्व, कीट एवं बीमारी प्रबन्धन	– बीज पी०एल० – 8 4 कुन्तल – गंधक @ 25 किग्रा०/हे० – राइजोबियम कल्चर – जल विलेय उर्वरक (18:18:18) @ 5 किग्रा०/हे० – मैकोजेब 75% डब्लू पी. @ 2.0 किग्रा०/हे० – मोनोकोटोफास 36% एस.एल. @ 1.5ली०/हे० कुल व्यय – ₹० 90,000.00	रबी 2020–21	10.0	25	– उपज (कु०/हे०) – लाभ – आय व्यय अनुपात

एन0एफ0एस0एम0 योजनान्तर्गत क्लस्टर प्रदर्शन -

क्रम.सं0	फसल	क्षेत्रफल (हे0)	कृषक की सं0
1	उर्द (खरीफ - 2020)	20.0 हे0	50
2	मसूर (रबी 2020-21)	10.0 हे0	25
3	सरसों (रबी 2020-21)	10.0 हे0	25
	कुल योग	40.0 हे0	100

**4.2.2 प्रथम पंक्ति प्रदर्शन (अन्य) –
(अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक)**

क्र. सं.	फसल	विषय क्षेत्र	प्रदर्शित तकनीक	प्रजाति	प्रदर्शन संख्या	कुल क्षेत्रफल (हे०)	कृषि निवेश	कुल व्यय (रु०)
1. फसलोत्पादन								
1	गेहूँ (रबी 2020-21)	खरपतवार प्रबन्धन	गेहूँ फसल में सल्फो सलफयूरान 75% + मैटसलफयूरान मिथाइल 5% @ 40ग्राम/हे० द्वारा खरपतवार नियंत्रण	डी०बी० डब्लू 621-50 / एच०डी० - 2967	10	4.0	सल्फो सलफयूरान 75% + मैटसलफयूरान मिथाइल 5% @ 40ग्राम/हे०	15000

क्र. सं.	फसल	विषय क्षेत्र	प्रदर्शित तकनीक	प्रजाति	प्रदर्शन संख्या	कुल क्षेत्रफल (हे०)	कृषि निवेश	कुल व्यय (रु०)
2. उद्यान विज्ञान								
1	गाजर (रबी 2020-21)	प्रजातीय प्रदर्शन	गाजर की अधिक उत्पादन देने वाली प्रजाति का प्रदर्शन	पूसा केसर	05	2.0	प्रति प्रदर्शन 01 किलो० बीज कुल बीज मात्रा 5 किलो०	6000

क्र. सं.	फसल	विषय क्षेत्र	प्रदर्शित तकनीक	प्रजाति	प्रदर्शन संख्या	कुल क्षेत्रफल (हे०)	कृषि निवेश	कुल व्यय (रु०)
3. मृदा विज्ञान								
1.	धान (खरीफ 2020)	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन का प्रदर्शन	धान में जल विलेय उर्वरको का प्रयोग (12.5 किग्रा०/हे०)	पूसा -1509	15	6.0	18:18:18 एन.पी.के. 12.5 किग्रा०/हे० @ 100/ Kg मूल्य- 1250/हे०	7500/-
2.	गेहूँ (रबी - 2020-21)	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन	गेहूँ में जल विलेय उर्वरको का प्रयोग प्रदर्शन (12.5 किग्रा०/हे०)	एच०डी० 2967	15	6.0	18:18:18 एन.पी.के. 12.5 किग्रा०/हे० @ 100/ Kg मूल्य- 1250/हे०	7500/-
3.	गन्ना (जायद - 2021)	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन	गन्ने में जल विलेय उर्वरकों का प्रयोग (13.75 किग्रा०/हे०)	कोशा - 0238	15	6.0	18:18:18 एन.पी.के. 13.75 किग्रा०/हे० @ 100/ Kg मूल्य- 1375/हे०	8250/-
4.	गन्ना (जायद - 2021)	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन	गन्ने में द्वितीय पोषक तत्व सल्फर का प्रयोग (30 किग्रा०/हे०)	कोशा - 0238	15	6.0	सल्फर - 30 किग्रा/हे० @ 65/ Kg Rs. 1950/ha. कुल - 11700.00	11700/-

4. कृषि वानिकी								
1.	पोपलर जायद 2021)	प्रजातीय प्रदर्शन	तेज वृद्धि वाले उत्तम प्रजाति का प्रदर्शन	G - 48	04	0.4	200 पोपलर पौध	4000

5. पादप प्रजनन

क्र. सं.	फसल	विषय क्षेत्र	प्रदर्शित तकनीक	प्रजाति	प्रदर्शन संख्या	कुल क्षेत्रफल (हे०)	कृषि निवेश	कुल व्यय (रु०)
1.	धान (खरीफ 2020)	प्रजातीय प्रदर्शन	धान की अधिक उत्पादन देने वाली प्रजाति का प्रदर्शन	PD – 22	10	2.0	धान का बीज	15000
2	धान (खरीफ 2020)	प्रजातीय प्रदर्शन	धान-गेहूँ पद्धति में बासमती धान की अधिक उत्पादन वाली प्रजाति का प्रदर्शन	Pant Sugandha – 27	10	2.0	धान का बीज	15000
3	गेहूँ (रबी 2020-21)	प्रजातीय प्रदर्शन	समय से बोई जाने वाली अधिक उपज वाली प्रजाति का प्रदर्शन	पी.बी.डब्लू – 725	10	2.0	गेहूँ का बीज	15000
4	गेहूँ (रबी 2020-21)	प्रजातीय प्रदर्शन	देर से बोई जाने वाली प्रजाति का प्रदर्शन	डी.बी.डब्लू – 71	10	2.0	गेहूँ का बीज	18000

4.3 प्रशिक्षण

वर्ष 2020–2021 हेतु कृषक, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवकों/युवतियों तथा प्रसार कार्यकर्त्ताओं हेतु प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नवत है :-

प्रशिक्षणों का संक्षिप्त विवरण

क्र० सं०	विभाग	कृषक युवक एवं युवतियों को प्रशिक्षण		ग्रामीण युवक एवं युवतियों हेतु	प्रसार कार्यकर्त्ता	कुल योग
		केन्द्र पर	केन्द्र के बाहर			
1	फसल उत्पादन	02	03	—	—	05
2	उद्यान विज्ञान	03	02	02	02	09
3	मृदा विज्ञान	08	12	04	08	32
4	फसल सुरक्षा	01	02	—	—	03
5	पादप प्रजनन	08	08	04	08	28
6	कृषि –वानिकी	08	08	02	05	23
	कुल योग	30	35	12	23	100

(अ) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र पर)

विषय	प्रशिक्षण का विषय	दिनांक	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या	
				पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6

प्रथम तिमाही (अप्रैल 2020 से जून 2020 तक)					
फसलोत्पादन	1. गन्ना पैड़ी प्रबन्धन एवं गन्ने के साथ उर्द की सहफसली खेती।	05 अप्रैल, 2020	1	17	3
उद्यान विज्ञान	1. अच्छे स्वास्थ्य के लिये सब्जी की जैविक खेती।	03 अप्रैल 2020	1	18	2
	2. नये आम के बाग हेतु पौध रोपण।	5 जून 2020	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. मृदा नमूने एकत्र करने की विधि।	13 मई 2020	1	16	4
	2. धान नर्सरी में जैविक उर्वरकों का महत्व।	10 जून 2020	1	16	4
फसल सुरक्षा	1. मैथा की फसल में एकीकृत कीट, बीमारी प्रबन्धन।	17 अप्रैल, 2020	1	17	3
पादप प्रजनन	1. धान की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी।	28 मई, 2020	1	17	3
	2. उर्द की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी।	04 जून, 2020	1	17	3
कृषि वानिकी	1. वातावरण के लिये उपयुक्त पौधे।	11 मई 2020	1	18	2
	2. किसानों के लिये कृषि वानिकी पद्धतियाँ	20 मई 2020	1	18	2

द्वितीय तिमाही (जुलाई 20120 से सितम्बर 2020 तक)

उद्यान विज्ञान	1. आर्थिक लाभ हेतु टमाटर फसल उत्पादन ।	5 अगस्त 2020	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. धान में जल विलेय उर्वरकों का प्रयोग ।	15 जुलाई 2020	1	16	4
	2. धान में यूरिया एवं जिंक के पर्णीय छिड़काव का महत्व	04 सितम्बर 2020	1	16	4
पादप प्रजनन	1. उर्द की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	07 जुलाई 2020	1	17	3
	2. सरसों एवं तोरिया की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	08 सितम्बर 2020	1	17	3
कृषि वानिकी	1. कृषि वानिकी पौधों की उत्पादन तकनीक ।	05 अगस्त 2020	1	18	2
	2. कृषि वानिकी पौधों में रोग प्रबन्धन ।	19 सितम्बर 2020	1	18	2

तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2020 से दिसम्बर 2020 तक)

मृदा विज्ञान	1. मृदा स्वास्थ्य हेतु नेडप तथा वर्मी कम्पोस्ट का महत्व ।	14 अक्टूबर 2020	1	16	4
	2. रबी फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग ।	04 नवम्बर 2020	1	16	4
पादप प्रजनन	1. समय से बुवाई हेतु गेहूँ की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	03 नवम्बर 2020	1	17	3
	2. देर से बुवाई हेतु गेहूँ की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	17 नवम्बर 2020	1	17	3
कृषि वानिकी	1. कृषि वानिकी पद्धति में सब्जी उत्पादन ।	10 अक्टूबर 2020	1	18	2
	2. कृषि वानिकी पद्धति में खाद्यान्न उत्पादन ।	10 नवम्बर 2020	1	18	2

चतुर्थ तिमाही (जनवरी 2021 से मार्च 2021 तक)

फसलोत्पादन	1. गेहूँ के साथ मैथा की सहफसली खेती ।	15 जनवरी 2021	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. गेहूँ में जल विलेय उर्वरकों का प्रयोग ।	06 जनवरी 2021	1	16	4
	2. गन्ने में सूक्ष्म पोषक तत्वों के प्रबन्धन का महत्व ।	10 फरवरी 2021	1	16	4
पादप प्रजनन	1. मेन्था की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	12 जनवरी 2021	1	17	3
	2. मक्का की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	09 फरवरी 2021	1	17	3
कृषि वानिकी	1. पोपलर के विभिन्न क्लोन ।	05 फरवरी 2021	1	18	2
	2. पोपलर रोपण में सावधानियाँ ।	10 फरवरी 2021	1	18	2

(ब) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र से बाहर)

विषय	प्रशिक्षण का विषय	दिनांक	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या	
				पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6

प्रथम तिमाही (अप्रैल 2020 से जून 2020 तक)

उद्यान विज्ञान	1. वैज्ञानिक विधि से पपीता की पौध उगाना ।	11 मई 2020	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. मृदा परीक्षण का महत्व ।	06 मई, 2020	1	16	4
	2. गन्ने में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के लक्षण ।	29 मई, 2020	1	16	4
फसल सुरक्षा	1. रसायनों के प्रयोग एवं चयन में सावधानियां व इनका घोल बनाने की तकनीक ।	24 अप्रैल 2020	1	17	3
	2. गन्ना में एकीकृत कीट प्रबन्धन ।	21 मई, 2020	1	17	3
पादप प्रजनन	1. धान की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	13 मई, 2020	1	17	3
	2. उर्द की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	10 जून, 2020	1	17	3

द्वितीय तिमाही (जुलाई 2020 से सितम्बर 2020 तक)

फसलोत्पादन	1 शरदकालीन गन्ना के साथ सहफसली उत्पादन तकनीक ।	10 सितम्बर 2020	1	18	2
उद्यान विज्ञान	1. अमरुद के पुराने बाग में काट-छांट तकनीक ।	07 जुलाई 2020	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. मृदा परीक्षण के आधार पर गन्ने में सन्तुलित उर्वरकों का प्रयोग ।	10 जुलाई 2020	1	16	4
	2. दलहनी फसलो में गंधक का प्रयोग ।	07 अगस्त 2020	1	16	4
	3. तोरिया एवं सरसों में सल्फर एवं विरलीकरण का महत्व ।	09 सितम्बर 2020	1	16	4

पादप प्रजनन	1. मेंथा की सकर उत्पादन तकनीकी ।	15 जुलाई 2020	1	17	3
	2. सरसों एवं तोरियों की उन्नत प्रजातियों एवं उत्पादन तकनीकी ।	26 अगस्त 2020	1	17	3
	3. गन्ने की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	16 सितम्बर 2020	1	17	3
कृषि वानिकी	1. कृषि के सापेक्ष नीम वृक्ष के उपयोग ।	20 अगस्त 2020	1	18	2
	2. कृषि वानिकी पौधों का नर्सरी प्रबन्धन ।	28 अगस्त 2020	1	18	2
	3. कृषि वानिकी पौधों की कॉट-छॉट ।	15 सितम्बर 2020	1	18	2

तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2020 से दिसम्बर 2020 तक)

फसलोत्पादन	1. मसूर फसल में एकीकृत फसल प्रबन्धन ।	09 अक्टूबर 2020	1	18	2
	2. सरसों फसल में एकीकृत फसल प्रबन्धन ।	21 अक्टूबर 2020	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. खरीफ फसलों में जल विलेय उर्वरकों का महत्व ।	14 अक्टूबर 2020	1	16	4
	2. रबी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग से आय दुगनी ।	13 नवम्बर 2020	1	16	4
	3. मृदा परीक्षण का महत्व ।	26 नवम्बर, 2020	1	16	4
पादप प्रजनन	1. गेहूँ की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	4 नवम्बर 2020	1	17	3
	2. देर से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी	18 नवम्बर 2020	1	17	3
कृषि वानिकी	1. कृषि वानिकी पौधों का विभिन्न परिस्थितियों में वृक्षारोपण ।	11 अक्टूबर 2020	1	17	3
	2. विभिन्न कृषि वानिकी पौधों का बीज उत्पादन एवं एकत्रीकरण ।	10 दिसम्बर 2020	1	17	3

चतुर्थ तिमाही (जनवरी 2021 से मार्च 2021 तक)

मृदा विज्ञान	1. आर्थिक लाभ हेतु गन्ना फसल में सहफसली खेती का महत्व ।	09 जनवरी 2021	1	16	4
	2. गन्ना पेडी में सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व ।	29 जनवरी 2021	1	16	4
	3. गेहूँ की फसल में जल विलेय उर्वरकों के पर्णीय छिड़काव का महत्व ।	11 फरवरी 2021	1	16	4
	4. मृदा नमूने एकत्र करने की विधि ।	24 फरवरी 2021	1	16	4
पादप प्रजनन	1. मेंथा की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	13 जनवरी 2021	1	17	3
कृषि वानिकी	1. कृषि पौधों में कीट नियंत्रण ।	05 जनवरी 2021	1	17	3
	2. कृषि के लिये उपयुक्त कृषि वानिकी पौध ।	05 फरवरी 2021	1	17	3
	3. कृषि वानिकी पौधों का औषधीय महत्व ।	07 मार्च 2021	1	17	3

(स) ग्रामीण युवक एवं युवतियों को रोजगार परक प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं केन्द्र के बाहर)

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या	
				पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6
प्रथम तिमाही (अप्रैल 2020 से जून 2020 तक)					
उद्यान विज्ञान	1. उद्यान फसलों का नर्सरी प्रबन्धन ।	14-19 मई 2020	6	8	2
मृदा विज्ञान	1. वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक ।	14-19 जून 2020	6	8	2
पादप प्रजनन	1. धान की बीज उत्पादन तकनीकी ।	18-19 मई 2020 20-21 अगस्त 2020 24-25 अगस्त 2020	6	8	2
	2. उर्द की बीज उत्पादन तकनीकी ।	26-27 जून 2020 28-29 अगस्त 2020 25-26 सितम्बर 2020	6	8	2
द्वितीय तिमाही (जुलाई 2020 से सितम्बर 2020 तक)					
मृदा विज्ञान	1. नेडप एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक ।	14-19 सितम्बर 2020	6	8	2
पादप प्रजनन	1. सरसों की बीज उत्पादन तकनीकी ।	21-22 अगस्त 2020 23-24 अक्टूबर 2020 4-5 दिसम्बर 2020	6	7	3

तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2020 से दिसम्बर 2020 तक)					
उद्यान विज्ञान	अमरुद / आंवला के पुराने बागों की काट – छोट पर प्रशिक्षण ।	14-19 अक्टूबर 2020	6	8	2
मृदा विज्ञान	1. वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक ।	11-16 अक्टूबर 2020	6	8	2
कृषि वानिकी	1. नीम, सेमल, सागौन की अच्छी नर्सरी कैसे तैयार करें ।	06-11 नवम्बर 2020	6	8	2
पादप प्रजनन	1. गेहूँ की बीज उत्पादन तकनीकी ।	22-23 अक्टूबर 2020 21-22 जनवरी 2021 4-5 मार्च 2021	6	7	3
चतुर्थ तिमाही (जनवरी 2021 से मार्च 2021 तक)					
मृदा विज्ञान	1. नेडप एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक ।	14-19 फरवरी 2021	6	8	2
कृषि वानिकी	1. पोपलर एवं बकायन की अच्छी नर्सरी कैसे तैयार करें ।	06-11 फरवरी 2021	6	8	2

(द) सेवाकालीन प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण (केन्द्र पर /केन्द्र से बाहर)

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या	
				पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6
प्रथम तिमाही (अप्रैल 2020 से जून 2020 तक)					
मृदा विज्ञान	1. मृदा परीक्षण के उद्देश्य ।	20 मई 2020	1	8	2
	1. धान में जैव उर्वरकों का प्रयोग ।	17 जून 2020	1	8	2
पादप प्रजनन	1. धान का प्रजातीय विवरण ।	18 मई 2020	1	7	3
	2. बासमती धान का बीज उत्पादन ।	25 मई 2020	1	7	3

द्वितीय (जुलाई 2020 से सितम्बर 2020 तक)

मृदा विज्ञान	1. तिलहनी फसलों में सल्फर का प्रयोग ।	19 अगस्त 2020	1	8	2
	2. दलहनी फसलों में सल्फर का प्रयोग ।	18 सितम्बर 2020	1	8	2
पादप प्रजनन	1. उर्द का प्रजातीय विवरण ।	22 जुलाई 2020	1	7	3
	2. गन्ने का प्रजातीय विवरण ।	24 अगस्त 2020	1	7	3
कृषि वानिकी	1. कृषि वानिकी पौधों में नर्सरी प्रबन्धन ।	21 जुलाई 2020	1	8	2
	2. कृषि वानिकी पौधों की रोपण तकनीकी ।	24 अगस्त 2020	1	8	2
	3. बकायन एवं सागौन का कृषि वानिकी पद्धति के अन्तर्गत रोपण ।	22 सितम्बर 2020	1	8	2

तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2019 से दिसम्बर 2019 तक)

उद्यान विज्ञान	1. रबी मौसम में सब्जियों की उत्पादन तकनीक ।	17 अक्टूबर 2020	1	8	2
	2. उद्यान में प्लास्टिकलचर का प्रयोग ।	20 नवम्बर 2020	1	8	2
मृदा विज्ञान	1. गेहूँ में जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग ।	04 दिसम्बर 2020	1	8	2

पादप प्रजनन	1. समय से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	26 अक्टूबर 2020	1	8	2
	2. देर से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	09 नवम्बर 2020	1	8	2
	3. अलसी का प्रजातीय विवरण	13 नवम्बर 2020	1	8	2

चतुर्थ तिमाही (जनवरी 2020 से मार्च 2020 तक)

मृदा विज्ञान	1. मृदा स्वास्थ्य हेतु नेडप व वर्मी कम्पोस्ट का महत्व ।	08 जनवरी 2021	1	8	2
	2. मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग ।	05 फरवरी 2021	1	8	2
	3. गन्ने में मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग ।	26 फरवरी 2021	1	8	2
पादप प्रजनन	1. मूँग का प्रजातीय विवरण ।	02 मार्च 2021	1	8	2
कृषि वानिकी	1. डब्लू टी ओ एवं आई पी आर ।	10 जनवरी 2021	1	8	2
	1. कृषि में नीम वृक्ष का प्रयोग ।	26 फरवरी 2021	1	8	2

4.4 प्रक्षेत्र कार्य योजना (वर्ष 2020-21)

क्र.सं.	विवरण	फसल	प्रजाति	क्षेत्रफल(हे०)
1	खरीफ 2020	धान		
		–बीजोत्पादन	पन्त बासमती – 1637, पन्त बासमती – 1509 या अन्य उत्तमप्रजाति उपलब्धतानुसार	8.00
		– बीजोत्पादन	उर्द	5.00
		– प्रदर्शन / परीक्षण	क्राप केफेटेरिया	0.10
		– उद्यान नर्सरी	आम,अमरुद,आंवला,बेल आदि हेतु	0.50
			योग	13.60
2	रबी 2020-21	गेहूँ		
		– बीज उत्पादन	एच०डी० – 2967, डीबीडब्लू-621-50 / अन्य उत्तमप्रजाति उपलब्धतानुसार	13.00
		– प्रदर्शन / परीक्षण	क्राप केफेटेरिया	0.10
		– उद्यान नर्सरी	आम,अमरुद,आंवला,बेल आदि हेतु	0.50
			योग	13.60

4.5 अन्य प्रसार कार्यक्रम

क्र०सं०	गतिविधियाँ	संख्या
1	प्रक्षेत्र दिवस	14
2	किसान गोष्ठी	01
3	किसान मेला	01
4	कृषि प्रदर्शनी	01
5	महत्वपूर्ण दिवस	03
6	मृदा परीक्षण शिविर	02
7	रेडियो वार्ता	05
8	टीवी वार्ता	02
9	लेख	02
10	समाचार पत्रों में लेख	50
11	प्रसार साहित्य	05
12	डाईगिनोस्टिक सेवायें	10
13	केन्द्र पर कृषक भ्रमण	200
14	वैज्ञानिकों का कृषकों के प्रक्षेत्र पर भ्रमण	100
15	कृषि विभाग एवं अन्य विभागों में भागीदारी	20
16	फिल्म शो	19
17	समूह गोष्ठी	02
18	प्री-खरीफ एवं रबी कार्यशाला	—
19	मृदा स्वास्थ्य शिविर	04
20	मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण	02
21	अन्य	—
	कुल योग	443

कार्यसूची – 5

अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से

क्षेत्रीय समन्वयक, मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन

कार्यसूची – 6

धन्यवाद प्रस्ताव

आज की इस वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में पधारे माननीय अध्यक्ष,
माननीय मुख्य अतिथि एवं सभी सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद।

अंगीकृत ग्रामों में किये गये विषयवार कार्य

अंगीकृत ग्राम	प्रशिक्षण		प्रदर्शन	परीक्षण	प्रक्षेत्र दिवस	अन्य
	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी कृषक				
अम्बेडकर ग्राम						
1. रसूलपुर कैली						
2. खड़ौआ	6	62	1			
3. मनकुला	1	20	3			
4. मुडिया राजा						
कुल योग	7	82	4			
अन्य अंगीकृत ग्राम						
1. फत्तेपुर नत्था	13	193	11	02	02	—
2. भूड़ मरेशी	04	81	5	3	—	—
3. रामनगर गंगपुर	3	25	12	1	—	—
4. खानपुर	4	81	12	—	—	—
5. सादकपुर	2	40	4	—	—	—
कुल योग						